राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,04 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–40 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

बॉयफ्रेंड के साथ एक इवेंट में पहुंची सुजैन खान

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान अक्सर अपने बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ नजर आती हैं, हाल ही में सुजैन अपने बॉयफ्रेंड के साथ फैशन डिजाइनर अबू जानी और संदीप खोसला के इवेंट में पहुंची, जिससे जुड़ा एक वीडियो सामने आया है। इस इवेंट में जया बच्चन,और बाबिल खान सहित कई बड़े बॉलीवुड सितारों ने शिरकत की। इस दौरान सुज्जैन ग्लैमरस लुक में नजर आ रही हैं। कपल ने साथ में पैपराजी को पोज भी दिए। वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया जहां कुछ यूजर्स ने इस वीडियो को पसंद किया वहीं कुछ यूजर्स कपल को ट्रोल करते हुए भी नजर आए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'ऋतिक और सुजैन के बच्चे भी सोच रहे होंगे कि हमें दुनिया में लाकर दोनों अपनी मस्ती कर रहे हैं'। तो वहीं दूसरे ने लिखा- 'मिसमैच्ड जोड़ी है, खुद ही बना लेते हैं ये लोग'। बता दें, ऋतिक रोशन और सुजैन 2014 में ही एक-दूसरे से अलग चुके हैं। तलाक के बाद जहां ऋतिक रोशन एक्ट्रेस सबा आजाद को डेट कर रहे हैं, तो वहीं सुजैन, अर्सलान गोनी के साथ लंबे टाइम से रिलेशनशिप में हैं। दोनों की मुलाकात टीवी इंडस्ट्री के एक कॉमन फ्रेंड्स के जरिए हुई थी और फिर दोस्ती के बाद दोनों को प्यार हो गया।

अंबाला नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा

8 लोगों की मौत, 20 से ज्यादा घायल, यूपी से आ रही मजदूरों से भरी बस को ट्राला ने मारी टक्कर

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में भीषण हादसा हो गया, जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई। जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। मरने वालों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। हादसा शुक्रवार सुबह साढ़े 4 बजे पंचकूला-यमुनानगर नेशनल हाईवे 344 पर गांव कक्कड़ माजरा (शहजादपुर) के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, यूपी के बरेली से मजदूर बस में बद्दी जा रहे थे। जैसे ही वह शहजादपुर के पास गांव कक्कड़ माजरा के पास पहुंचे तो पीछे से उनकी बस को ट्राला ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भयंकर था कि 8 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने 6 शव नारायणगढ़ सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में रखवाए। जबकि 2 के शव पंचकूला सिविल अस्पताल में रखवा दिए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अंबाला कैंट सिविल अस्पताल पहुंचे 5 में से 2 घायलों की गंभीर हालत देखते हुए पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, सुबह हादसे में घायल हुई 40 वर्षीय गुड्डी, उसकी बेटी शिवानी, चांद बाबू, 1 साल के मासूम बच्चे व एक व्यक्ति को अंबाला कैंट सिविल अस्पताल पहुंचाया गया था। यहां गुड्डी व उसकी बेटी शिवानी का उपचार कर रहा है। चांद बाबू अपनी इच्छा से छुट्टी लेकर चला गया है। डॉक्टरों ने 1 साल के मासूम व अज्ञात व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया है।

हर तरफ पीएम मोदी का जादू चल रहा है: अमित शाह

बीदर (कर्नाटक)। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कर्नाटक के बीदर में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर तंज कसा। शाह ने कहा कि इंदिरा गांधी ने निजलिंगप्पा को अपमानित किया। राजीव गांधी ने कद्दावर नेता वीरेंद्र पाटिल को एयरपोर्ट पर अपमानित किया। पार्टी के नेताओं का अपमान करने वाली कांग्रेस कर्नाटक का सम्मान कैसे करेगी? अमित शाह ने कहा कि कल ही कर्नाटक से हजारों किमी. दूर उत्तर पूर्व में (त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय) कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। वह ऐसे हारे हैं कि दूरबीन लेकर भी दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। कांग्रेस को नागालैंड में 0 सीट, मेघालय में 3 सीट और त्रिपुरा में सिर्फ 4 सीट मिली है।

बीजेपी विधायक के घर से मिले 6 करोड़ रुपये

नौकरशाह बेटा 40 लाख रुपये रिश्वत लेते पकड़ा गया

नई दिल्ली। कर्नाटक में लोकायुक्त की एंटी करप्शन विंग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। यहां भाजपा विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे को 40 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। विधायक के बेटे प्रशांत मदल को लोकायुक्त अधिकारियों ने उसके कार्यालय से रिश्वत लेते हुए पकड़ा। करप्शन विंग को भाजपा विधायक के कार्यालय से 1.7 और घर से करीब छह करोड़ रुपये बरामद हुए हैं। लोकायुक्त को रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी। मदल विरुपक्षप्पा कर्नाटक साबुन और डिटर्जेंट लिमिटेड के अध्यक्ष हैं। इसी तरह की एक घटना में मध्य प्रदेश लोकायुक्त की एक टीम ने 24 फरवरी को ग्वालियर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम में तैनात एक क्लर्क को 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। आरोपी क्लर्क की पहचान शुभम गुप्ता के रूप में हुई थी। वह एमपीईबी (मध्य प्रदेश बिजली बोर्ड) में तैनात एक महिला संविदा कर्मचारी से उसके मातृत्व अवकाश के पैसे जारी करने के एवज में 5,000 रुपये की रिश्वत मांग रहा था। लोकायुक्त पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राघवेंद्र ऋषिश्वर ने कहा, एक महिला की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। मदल विरुपक्षप्पा लगातार दो बार दावणगेरे जिले के चन्नागिरी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपने हलफनामे में 5.73 करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा किया था। 2013 के चुनावों में, उन्होंने 1.79 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी। कर्नाटक में इसी साल विधानसभा चुनाव होना है। ऐसे में लोकायुक्त की ये कार्रवाई चर्चा विषय बना हुआ है। बताया जाता है कि भाजपा विधायक के बेटे के खिलाफ हुई ये कार्रवाई चुनावी मुद्दा भी बन सकती है।

सिसोदिया ने दाखिल की जमानत याचिका, राउज एवेन्यू कोर्ट का किया रुख

नई दिल्ली। कथित आबकारी घोटाले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को कोर्ट में नियमित जमानत याचिका दाखिल की। सिसोदिया के वकील ने राउज एवेन्यू कोर्ट में उनकी बेल एप्लिकेशन फाइल की। बता दें कि इससे पहले सिसोदिया ने सीबीआई द्वारा की गई गिरफ्तारी को सीधे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन वहां मुख्य न्यायधीश द्वारा फटकार लगाते कहा था कि आपको पहले दिल्ली हाईकोर्ट जाना चाहिए। मामला दिल्ली में होने का यह मतलब नहीं की आप सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा घटघटाएंगे। साथ उनके मामले में हस्तक्षेप करने से साफ इनकार कर दिया था। मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को आठ घंटे की लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें 27 फरवरी को अदालत में पेश किया गया और वहां से सिसोदिया को पांच दिन की हिरासत में भेज दिया था। सुप्रीम कोर्ट से झटका मिलने के बाद सीबीआई की गिरफ्त में आए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपने पद से मंगलवार को ही इस्तीफा दे दिया था। वहीं, जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन ने भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपना इस्तीफा भेज दिया था। मुख्यमंत्री ने अपने दोनों वरिष्ठ मंत्रियों का इस्तीफा मंजूर भी कर लिया।

'पेगासस मोबाइल में नहीं राहुल के दिमाग में है'

अनुराग ठाकुर ने दिया पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को जवाब

नई दिल्ली। पेगासस विवादः केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में 'पेगासस' मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया बयान पर जमकर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, "राहुल गांधी फिर से विदेशी धरती पर होहल्ला करने का काम कर रहे हैं। उनके दिमाग में पेगासस है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया भर में भारत का सम्मान बढ़ा और बड़े नेता कह रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इटली की प्रधानमंत्री ने क्या कहा, शायद उन्होंने (राहुल गांधी) सुना नहीं था, उन्होंने (जॉर्जिया मेलोनी) कहा कि पीएम मोदी को दुनियाभर में लोग प्यार करते हैंय़ केंद्रीय मंत्री पेगासस मामले पर कहा कि ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उन्होंने अपना फोन जमा नहीं कराया। अनुराग ठाकुर ने कहा, कल (चुनाव) के नतीजे बताते हैं कि कांग्रेस का एक बार फिर से सफाया हो गया है। कांग्रेस लोगों के जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रही है और कल के नतीजे बताते हैं कि लोग पीएम मोदी पर भरोसा करते हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में अपने व्याख्यान के दौरान पेगासस पंक्ति का उल्लेख किया जिसने कुछ महीने पहले भारत में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी थी। राहुल ने कहा, "बड़ी संख्या में राजनीतिक नेताओं के फोन पर पेगासस है। मैंने खुद अपने फोन पर पेगासस लगाया था। मुझे खुफिया अधिकारियों ने फोन किया है, जो कहते हैं कि कृपया सावधान रहें कि आप फोन पर क्या कहते हैं। हम सामान रिकॉर्ड कर रहे हैं।" राहुल गांधी ने आगे कहा, "विपक्ष के खिलाफ मामले दर्ज हैं। मेरे खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जो आपराधिक मामलों के तहत नहीं होने चाहिए। गांधी ने आगे कहा कि विपक्ष के रूप में, जब मीडिया और लोकतांत्रिक ढांचे पर इस तरह का हमला होता है तो लोगों से संवाद करना बहुत मुश्किल होता है। अगस्त 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पेगासस के अनधिकृत उपयोग की जांच के लिए उसके द्वारा नियुक्त तकनीकी पैनल ने जांच किए गए 29 में से पांच मोबाइल फोन में कुछ मैलवेयर पाए, लेकिन यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सका कि यह इजरायली स्पाईवेयर के कारण था। शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश आरवी रवींद्रन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद, मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने पेगासस जांच में सहयोग नहीं किया। शीर्ष अदालत ने राजनेताओं, पत्रकारों और कार्यकताओं की लक्षित निगरानी के लिए सरकारी एजेंसियों द्वारा इजराइली स्पाइवेयर के उपयोग के आरोपों की जांच का आदेश दिया था और पेगासस पंक्ति को देखने के लिए तकनीकी और पर्यवेक्षी समितियों को नियुक्त किया था, जिसके बाद पिछले साल एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संघ ने रिपोर्ट दी थी।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को खराब स्वास्थ्य के चलते दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि उनके चेस्ट में इंफेक्शन है, हालांकि अभी उनकी हालत स्थिर है। अस्पताल ने हेल्थ बुलेटिन जारी करते हुए जानकारी दी कि सोनिया गांधी का इलाज चेस्ट मेडिसिन विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अरूप बसु और उनकी टीम कर रही है। दो मार्च को बुखार की शिकायत के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका इलाज लगातार चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

शराब घोटोला: भाजपा ने चलाया जन जागरण अभियान, केजरीवाल को बताया असली सूत्रधार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में छह प्रमुख चौराहों पर जन जागरण अभियान चलाया गया। लक्ष्मी नगर चौराहे पर चलाए गए जन जागरण अभियान में सचदेवा के साथ नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, प्रदेश महामंत्री दिनेश प्रताप सिंह, विधायक अभय वर्मा, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष कौशल मिश्रा सहित भाजपा कार्यकताओं ने शराब घोटाला मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को असली सूत्रधार बताते हुए इस्तीफे की मांग की। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आज जन जागरण अभियान का दूसरा दिन है और इस अभियान के माध्यम से दिल्ली की जनता के बीच एक विशेष संदेश पहुंचाने की भाजपा कोशिश कर रही है कि अपने आप को कट्टर ईमानदार कहने वाले अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्री कितने बड़े भ्रष्टाचारी हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में करोड़ों रुपये के हुए शराब घोटाले के सूत्रधार अरविंद केजरीवाल हैं जिसका खुलासा सीबीआई ने अपनी जांच रिपोर्ट में किया है। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि शराब घोटाले में करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार करके केजरीवाल अब खुद को नहीं बचा सकते हैं क्योंकि जिस कैबिनेट बैठक में इस शराब घोटाले को मंजूरी दी गई उसकी अध्यक्षता खुद अरविंद केजरीवाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शराब ठेकेदारों ने खुद स्वीकारा है कि केजरीवाल सरकार ने जो कमीशन की प्रतिशत बढ़ाई, वह पूरा अरविंद केजरीवाल के जेब में हमने दिया है।

बांके-बिहारी में रंगभरी एकादशी, टेसू से बने रंग भक्तों पर बरसाए, 5 दिवसीय होली उत्सव शुरू

मथुरा। रंगभरी एकादशी पर ब्रज के बांके बिहारी मंदिर में 5 दिवसीय होली उत्सव शुरू हो गया है। टेसू के फूलों से बने रंग मंदिर के पुजारी भक्तों पर बरसा रहे हैं। गुरुवार सुबह बड़ी संख्या में भक्तों ने वृंदावन की पंचकोसी परिक्रमा शुरू की। यहां की 5 कोस की परिक्रमा के लिए भारी जन सैलाब उमड़ा। श्रद्धालु वृंदावन की परिक्रमा कर खुद को धन्य कर रहे हैं।

रंगभरी एकादशी पर विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। अपने आराध्य के दर्शन कर रहे हैं और उनके साथ होली खेल रहे हैं। बांके बिहारी मंदिर में परंपरागत टेसू के फूलों से रंग बना गया है। इसी रंग को मंदिर के पुजारी भक्तों पर डाल रहे हैं। मंदिर में इस बार 200 किलो फूल भी मंगाए गए हैं। टेसू के फूल मध्यप्रदेश के शिवपुरी इलाके में मिलते हैं। इन फूलों को वहीं से लाया गया है। इसके बाद बड़े-बड़े ड्रमों में पानी से भिगोया गया। उसके बाद फूलों का रस निकालकर चूने को मिलाया गया। इस दौरान रंग को लगातार गर्म किया गया। फिर तैयार हुआ है यह इको फ्रेंडली रंग। यह रंग स्किन को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाता है।

संपादकीय

ध्यान देने लायक चार घटनाएं

(लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

कल भारत में घटी चार घटनाओं ने विशेष ध्यान खींचा। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के चुनाव परिणाम, चुनाव आयोग की नियुक्ति, अडानी-हिंडनबर्ग विवाद की जांच और जी-20 का विदेश मंत्री सम्मेलन। यह सम्मेलन पिछली तीनों घटनाओं के मुकाबले कम ध्यान आकर्षित कर सका लेकिन इसमें भारत के द्विपक्षीय हितों का उत्तम संपादन हो सका। यूक्रेन का मामला छाया रहा, कोई संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं हुआ लेकिन पहली बार रूस और अमेरिका के विदेश मंत्री मिले। भारत के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से कई विदेशी नेताओं की आपसी भेंट में कई नए समीकरण बने। जहां तक त्रिपुरा, नगालैंड और मणिपुर के चुनावों का सवाल है, तीनों राज्यों में भाजपा का बोलबाला हो गया है। मणिपुर में भी भाजपा सत्ता में शामिल हो जाएगी। दूसरे शब्दों में पूर्वोत्तर में भाजपा का बढ़ता हुआ वर्चस्व राष्ट्रीय एकता के लिए शुभ-संकेत है। एक तो पूर्वोत्तर के राज्यों में जो अलगाववादी प्रवृत्तियां सक्रिय रहती हैं, वे अब शिथिल पड़ जाएंगी। उनको हतोत्साहित करने में कांग्रेस से बड़ी भूमिका भाजपा की होगी। दूसरा, भाजपा के अपने स्वरूप को बदलने में इन चुनावों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भाजपा और नरेंद्र मोदी को हिंदुत्व का कट्टर समर्थक माना जाता है, लेकिन पूर्वोत्तर राज्यों के ईसाइयों का समर्थन उनकी इस छवि को काफी नरम बनाएगा। गोवा और पूर्वोत्तर के ईसाइयों का यह समर्थन भाजपा के लिए दुनिया के ईसाई राष्ट्रों में भी लाभदायक सिद्ध हो सकता है। पूर्वोत्तर के ये राज्य जनसंख्या की दृष्टि से छोटे हैं लेकिन इनमें भाजपा की जीत 2024 के आम चुनावों को भी प्रभावित जरूर करेंगे। उसके पहले जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, उनमें भी भाजपा के कार्यकर्त्ताओं का उत्साह बढ़ेगा। इन चुनावों की जीत पर नरेंद्र मोदी ने जो भाषण दिया, वह काफी संतुलित, तर्कपूर्ण और प्रभावशाली था। कल सर्वोच्च न्यायालय ने जो दो फैसले दिए हैं, उनसे हमारी न्यायपालिका की इज्जत में इजाफा ही हुआ है। उसने चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, विपक्षी नेता और मुख्य न्यायाधीश- ये तीन सदस्य अनिवार्य बताए हैं लेकिन यह भी कह दिया है कि यह प्रावधान संसद के कानून द्वारा लागू किया जाना चाहिए। कानून बनने तक अदालत का फैसला प्रभावी रहेगा। इस फैसले से चुनाव आयोग की प्रामाणिकता बढ़ेगी। जहां तक अडानी-हिंडनबर्ग विवाद का सवाल है, इस मामले में विपक्ष मोदी सरकार की काफी खिंचाई कर रहा था। 'सेबी' ने जांच तो बिठाई है लेकिन सरकार की चुप्पी विपक्ष को काफी मुखर कर रही थी। अब सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जज ए.एम. सप्रे की अध्यक्षता में जिन पांच लोगों की कमेटी बनी है, वह अगले दो माह में सारे मामले की जांच करके सर्वोच्च न्यायालय को अपनी रपट देगी। इस कमेटी के सदस्य काफी प्रतिष्ठित, प्रामाणिक और जानकार लोग हैं। इसके बावजूद विपक्ष अब भी संसदीय कमेटी से जांच की मांग पर अड़ा हुआ है, क्योंकि उसके अनुसार यह मामला राजनीतिक भ्रष्टाचार से संबंधित है।

जन जन कि आस्था के प्रतीक हैं खाटू के श्री श्याम

श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी। श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये।

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा/ 04 मार्च मेले पर विशेष)

हमारे देश में बहुत से ऐसे धार्मिक स्थल हैं जो अपने चमत्कारों व वरदानों के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हीं मंदिरों में से एक है राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के सीकर जिले का विश्व विख्यात प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 25 से 30 लाख श्रृद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है। इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी। श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे। कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये। भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया। तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा।

ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया। उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे। युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी। कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ। एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चैहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है। पिछले वर्ष अगस्त को खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने जा रही 3 महिलाओं की भगदड़ में मौत होने के बाद प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सख्त हो गया। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा हो रही है। यदि आने वाले समय में सरकार यहां के मंदिर परिसर का विस्तार कर एक सार्वजनिक ट्रस्ट का गठन करें तो राजस्थान के इस प्रसिद्ध मंदिर का भी आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर की तरह व्यवस्थित ढंग से विकास हो सकता है। जिसका लाभ श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहतें हैं।)

आज का राशीफल

मेष	व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
वृषभ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
कर्क	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।
कन्या	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
वृश्चिक	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।
धनु	व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।
कुम्भ	पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
मीन	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

(4 मार्च) राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

4 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। देश में आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा को मजबूत बनाने हेतु जागरूकता व्याप्त करना ही राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का मुख्य उद्देश्य हैं।देश में सुरक्षा दो प्रकार से की जाती हैं।एक बाह्य सुरक्षा जिसके लिए सेना सीमाओं पर तैनात रहती हैं और दूसरी आंतरिक सुरक्षा जो बहुत जरुरी हैं। हम बाह्य सुरक्षा से सुरक्षित रह सकते पर आंतरिक सुरक्षा बहुत बड़ी चुनौती होती हैं।

हमारे देश में 4 मार्च के दिन राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य है इ भारत में रहने वाले लोगों को जागरूक करना भविष्य में होने वाली दुर्घटना के प्रति सजग बनाना है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 4 मार्च को मनाया जाता है, जो कि 1 सप्ताह के लिए मनाया जाता है राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस एक सप्ताह आयोजन में लोगों को ना सिर्फदुश्मनों से बल्कि बीमारियों से सुरक्षित करने को लेकर भी जागरूक किया जाता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के तहत नारी सुरक्षा को लेकर भी जागरूकता फैलाई जाती हैं। नेशनल सेफ्टी डे को नेशनल सेफ्टी सप्ताह के रूप में मनाया जाने लगा है। इस सप्ताह के दौरान कई तरह के जागरुक करने वाले प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। एक सप्ताह तक चलने वाले इस प्रोग्राम में विभिन्न सरकारी, गैर-सरकारी संस्थानों के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न औद्योगिक संगठनों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस कार्यक्रम को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों से लोगों तक पहुंचाया जाता है। पूरे राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय स्तर और राज्य स्तर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे वाद-विवाद प्रतियोगिता, सेमिनार, सुरक्षा संदेशों के पोस्टर,स्लोगन, निबंध प्रतियोगिता, बैनर प्रदर्शनी,विभिन्न नाटक गीत तथा खेल प्रतियोगिता और अन्य तरीकों से लोगों को जागरुक किया जाता है।

उद्देश्य

स्वच्छता :

देश की सुरक्षा में केवल दुश्मनों से देश को सुरक्षित रखना ही नहीं आता, बल्कि देश में लोगो को बीमारियों से सुरक्षित रखना भी सुरक्षा के अंतर्गत आता हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस सभी को इस दिशा में अपना कदम बढ़ाने का रास्ता दिखाता हैं। देश को स्वच्छ रखना भी सुरक्षा के अंतर्गत शामिल हैं, जिसमे सरकार और जनता के साथ- साथ उद्योगपति जिम्मेदार हैं और इन सभी को एक साथ मिलकर देश में स्वच्छता संबंधी सुरक्षा लाना अनिवार्य हैं इस प्रकार यह भी स्वछता भी सुरक्षा दिवस का उद्देश्य हैं।

खाद्य पदार्थ:

आज के समय में मिलावटी वस्तुओं का बोलबाला अधिक हैं, इससे भी कई बीमारियाँ हो रही हैं और इससे नयी नस्ल कमजोर होती जा रही है, इससे भी देश को सुरक्षित रखना हम सबका का कर्तव्य हैं। यह भी सुरक्षा का एक अंग हैं।

गरीबी:

देश में गरीबों की संख्या भी बहुत अधिक हैं, जिसके कारण वे असुरक्षित हैं। उनके लिए भी सोचना हम सभी का कर्तव्य हैं। किसी ना किसी तरह से गरीबों को भूखा ना रहना पड़े और उन्हें आजीविका का कोई जरिया मिल सके। इसके लिए भी हम सभी को एक होना आवश्यक हैं यह भी सुरक्षा का ही भाग हैं।

नारी सुरक्षा:

इस सुरक्षा का वहन भी हम सभी को मिलकर करना होगा। घटना घटने के बाद सजा देना तो न्याय पालिका का काम हैं, लेकिन हम सभी को होने वाली इन घटनाओं को ही समाप्त करने के विषय में सोचना और कार्य करना जरुरी हैं। तब ही राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस/ नेशनल सिक्यूरिटी डे जैसे दिन का होना कारगर साबित होगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस कैसे मनाया जाता है?

यह दिवस पहली बार 4 मार्च 1966 में मनाया गया था, जिसमे 8 हजार सदस्य शामिल हुये थे, उस समय यह दिवस देश के लोगो को सुरक्षा के प्रति जागृत करने के उद्देश्य से लाया गया था, जिसमे उन्हें देश में, समाज में कैसे एक दुसरे की सुरक्षा को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिये, उस दिशा में प्रेरित किया गया था।

हमारे देश में वर्तमान में गरीबी, बेरोजगारी जातिवाद का घिनौना चेहरा ,आतंकवाद की बहुत अधिक समस्या हैं इससे भी देश को सुरक्षित देना जरुरी हैं।

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से न्यायपालिका पर विश्वास बढ़ा

(लेखक/सनत कुमार जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दो फैसले दिए हैं। एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग के आयुक्त की नियुक्ति को लेकर स्पष्ट व्यवस्था दी है। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की समिति निर्णय करेगी। संवैधानिक पदों पर नियुक्ति को लेकर यह व्यवस्था पहले भी थी। लेकिन 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद से तथा कांग्रेस को 10 फ़ीसदी सीटों पर सफलता नहीं मिलने के कारण लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली है। उसके बाद से प्रधानमंत्री ही संवैधानिक पदों पर नियुक्त होने वाले लोगों की नियुक्तियां करते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट कर दिया है, कि भले 10 फ़ीसदी सीटें जीतकर विपक्षी दल ना भी आया हो, तो भी जो सबसे बड़ा विपक्षी दल है। उसके नेता को समिति की बैठक में शामिल कर चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करना होगी। संविधान पीठ की अध्यक्षता कर रहे केएम जोसफ ने अपने फैसले ने कहा कि किसी मजबूत और उदार लोकतंत्र की पहचान और ताकत नागरिकों को मिलने वाले अधिकारों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा मतदान की ताकत लोकतंत्र में सबसे ज्यादा है। वह शक्तिशाली दल को भी सत्ता से बाहर निकालने की ताकत रखता है। निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता बनी रहे यह जरुरी है। इसी तरह अडानी समूह के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व जज एएम सप्रे की अध्यक्षता में 6 सदस्य समिति का गठन किया है। इस समिति में ओपी भट्ट, जस्टिस जे पी देवदत्त, केवी कामत, नंदन नीलेकणी और सोमशेखरण सुंदरेसन को समिति का सदस्य बनाया गया है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित इस समिति के निर्देश पर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) के माध्यम से 2 माह के अंदर अडानी समूह के ऊपर हिंडन बर्ग की रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। उनकी जांच करके सील बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के बंद लिफाफे में सरस्यों के नो नाम सौंपे गए थे। उसके आधार पर जांच कराने से इंकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी के नियम 19 के उल्लंघन की जॉच करने का आदेश समिति और सेबी को दिया है। इसमें हिडंनवर्ग की रिपोर्ट के आरोपों की जॉच सेबी एवं समिति के दायरे में होगी। अडानी समूह का मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावित कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नियामक संस्था सेबी और भारतीय और न्यायपालिका की शाख बढ़ेगी। वहीं सरकार के डर और भय को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीलबंद लिफाफे में रिर्पोट 2 माह में तलब की है। इससे भारत के व्यापारिक हितों को भी सुरक्षित रखने का काम सुप्रीम कोर्ट ने किया है। संवैधानिक संस्थाओं में जिस तरह से लोगों का अविश्वास बढ़ रहा था। सुप्रीम कोर्ट के इन दोनों निर्णय से न्यायपालिका के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। संवैधानिक संस्थाओं में यदि पारदर्शी तरीके से योग्य व्यक्तियों की नियुक्ति होगी, तो निश्चित रूप से संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर लोगों का विश्वास बढ़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से महत्वपूर्ण पदों पर सरकार अपने मनचाहे व्यक्तियों की नियुक्ति कर रही थी।

बार-बार उन्हें सेवा वृद्धि दे रही है। संवैधानिक संस्थाओं ईडी, सीबीआई और चुनाव आयोग द्वारा विपक्षी दलों और सत्ता पक्ष के साथ जो भेदभाव किया जा रहा है। उसे आम जनता भी देख रही है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से विपक्ष सहित आम जनता के मन में एक नया विश्वास पैदा होगा। ईडी प्रमुख के पद पर जिस तरह से बार-बार एक ही व्यक्ति को सेवा वृद्धि की जा रही है। चुनाव के ठीक पहले विपक्षियों को ईडी के नोटिस जारी होते हैं, छापे पड़ते हैं। उससे ईडी और चुनाव आयोग जेसी संस्थाओं की विश्वसनीयता भी कम हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक संस्थाओं में नियुक्तियों को लेकर जो रुख अख्तियार किया है। नियुक्ति में पारदर्शिता लाने की कोशिश की गई है। उसमें सुप्रीम कोर्ट सरकार से टकराव को भी टालते हुए सरकार को सीधे कोई आदेश नहीं दिए हैं। वही भविष्य में होने वाली नियुक्तियों और कार्यवाही में जिम्मेदारी तय करने की कोशिश की है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसे एक शुभ संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

बिजनेस टायकून अडानी की तीन दिन में दौलत 7 अरब डॉलर बढ़ी

फिर से सुपर 30 में हुई धमाकेदार वापसी

मुंबई ।(एजेंसी)

भारतीय बिजनेस टायकून गौतम अडानी की कंपनियों के शेयरों में लगातार तीन दिनों से इजाफा हो रहा है, जिसका असर अडानी की नेटवर्थ में भी देखा गया है। उन्होंने तीन दिनों में दुनिया के अरबपतियों की सूची में लंबी छलांग लगाई है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार अडानी ने सुपर 30 में वापसी कर ली है। साथ ही उनकी नेटवर्थ भी करीब 45 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। 27 फरवरी के बाद से यानी 3 दिनों में अडानी की दौलत में 7 अरब डॉलर यानी करीब 57 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है। वहीं दूसरी ओर गुरुवार को एलन मस्क की दौलत में भारी गिरावट देखने को मिली है, उन्हें एक ही दिन में 64 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। 28 फरवरी से 2 मार्च के बीच अडानी की नेटवर्थ में अच्छा खासा इजाफा देखने को मिला है। 27 फरवरी को अडानी की कुल नेटवर्थ 37.7 अरब डॉलर थी। उसके बाद 28 फरवरी को उनकी नेटवर्थ 2.2 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला और उनकी कुल नेटवर्थ 39.9 अरब डॉलर पहुंच गई। एक मार्च को फिर से अडानी की नेटवर्थ में तेजी आई और 3.2 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ कुल दौलत 43.1 अरब डॉलर पहुंच गई। 2 मार्च को अडानी की दौलत में 1.6

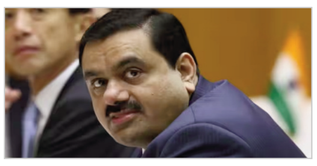

अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला और कुल दौलत 44.7 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसका मतलब है कि तीन दिनों में अडानी की कुल दौलत में 7 अरब डॉलर यानी करीब 57 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है।इस इजाफे बाद से अडानी की फिर से सुपर 30 में वापसी हुई है। इसका मतलब है कि अडानी अब दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में टॉप 30 दुबारा वापस आ गए हैं। मौजूदा समय में वहां दुनिया के 28वें सबसे अमीर कारोबारी हैं। कुछ दिन पहले वो दुनिया के टॉप 30 की लिस्ट से बाहर हो गए थे।

टाटा मोटर्स ने यात्री वाहन उत्पादन में 50 लाख का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली । देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने यात्री वाहन उत्पादन के मामले में संयुक्त रूप से 50 लाख के आंकड़े को पार कर लिया है। कंपनी ने 10 लाख यात्री वाहनों का आंकड़ा 2004 में और 20 लाख वाहन निर्माण का आंकड़ा 2010 में पार किया था। टाटा मोटर्स ने 30 लाख का आंकड़ा 2015 में जबकि 40 लाख वाहन निर्माण का आंकड़ा 2020 में पार किया था। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के एक` वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बयान में कहा` कि प्रत्येक 10 लाख से अगले आंकड़े तक जाने की यह यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी है1 कंपनी ने कहा कि उसने कोविड महामारी और पूरी दुनिया के वाहन उद्योग को प्रभावित करने वाले सेमीकंडक्टर की कमी के संकट के बावजूद तीन साल के भीतर 40 लाख कारों से 50 लाख इकाइयों तक पहुंचने का कारनामा कर दिखाया। टाटा मोटर्स 50 लाख यात्री वाहनों का उत्पादन करने की उपलब्धि पर देशभर में अपने ग्राहकों और कर्मियों के साथ जश्न मनाने के लिए अभियान चलाएगी। कंपनी ने कहा कि उसकी सभी विनिर्माण इकाइयों और क्षेत्रीय कार्यालयों पर एक माह तक उत्सव मनाया जाएगा।

हाउसिंग डाट काम ने फिनटेक फर्म नीरो से किया करार

नई दिल्ली । हाउसिंग डॉट कॉम ने फिनटेक स्टार्टअप नीरो के साथ समझौता किया है, जिसके तहत ग्राहक किराए का भुगतान बाद में कर सकेंगे। हाउसिंग डॉट कॉम, जो ऑस्ट्रेलियाई फर्म आरईए का हिस्सा है, ने बेंगलुरु स्थित नीरो के साथ साझेदारी में रेंट नाउ पे लेटर सेवा की शुरुआत की है। कंपनी ने कहा कि शुल्क के साथ 40 दिन तक की ब्याज मुक्त उधारी की सुविधा के जरिये किराये का भुगतान किया जा सकेगा। इसके साथ ही किराए भुगतान आसान मासिक किस्तों (ईएमआई) में भी किया जा सकेगा। बयान के मुताबिक यह सुविधा हाउसिंग डॉट कॉम के जरिये उपलब्ध होगी। कंपनी ने इससे पहले ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किराये का भुगतान करने की सुविधा दी थी। ताजा समझौते के तहत जिन ग्राहकों के पास क्रेडिट कार्ड नहीं है, वे भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

आरबीआई ने राइनो फाइनेंस का पंजीकरण निरस्त किया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने अनियमित कर्ज गतिविधियों को लेकर राइनो फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का पंजीकरण निरस्त कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आउटसोर्सिंग और अन्य पक्ष के ऐप के माध्यम से डिजिटल ऋण के परिचालन में उचित व्यवहार संहिता संबंधी भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के उल्लंघन के कारण राइनो फाइनेंस के पंजीकरण प्रमाणपत्र को रद्द कर दिया गया है। यह ऐसी गतिविधियां हैं, जिसे सार्वजनिक हित के लिए नुकसानदायक माना गया है। आरबीआई ने कहा कि कंपनी अत्यधिक ब्याज वसूलने से संबंधित वर्तमान नियमों का भी अनुपालन नहीं कर रही थी और ऋण वसूली को लेकर ग्राहकों के साथ अनुचित व्यवहार कर रही थी। कंपनी से संबद्ध सेवा प्रदाता, मोबाइल ऐप में हेलो लोन, क्रेडिटहब, कोको कैश, फ्लैश लोन, ब्रिज लोन, क्रेजी बी और रुपी बस शामिल हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द होने से कंपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान का कामकाज नहीं करेगी।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 63 पैसे उछलकर 81.97 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं विदेशी कोषों के ताजा निवेश और घरेलू शेयर बाजार में बढ़त की वजह से भी रुपये को बल मिला। सेवा क्षेत्र में मजबूत खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) आंकड़े की वजह से भी निवेशकों की धारणा मजबूत होने से बाजार को बल मिला है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.28 पर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 63 पैसे ऊपर आकर 81.97 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 81.92 के उच्चस्तर और 82.35 के निचले स्तर तक पहुंचा। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी कम होकर घटकर 104.82 पर कारोबार कर रहा था।

अर्थव्यवस्था में सुधार को देखते हुए जीडीपी ग्रोथ रहेगी 7 फीसदी से ज्यादा: सीईओ

मुंबई । देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि अर्थव्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़ों के संशोधित अनुमान को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक रहने की संभावना है। हाल में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने भी जीडीपी के आंकड़े जारी किए हैं। एनएसओ के दूसरे अग्रिम अनुमान में वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई है जबकि जनवरी में जारी पहले अग्रिम अनुमान में भी जीडीपी वृद्धि दर इतनी ही रहने का अनुमान लगाया गया था। नागेश्वरन ने कहा कि महत्वपूर्ण इंडिकेटर्स को देखते हुए और जिस तेजी से उसमें सुधार हो रहा है, उसके आधार पर उनका मानना है कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर नीचे जाने के बजाए ऊपर रहेगी। अभी देश में रियल जीडीपी ग्रोथ रेट (2011-12 के बेस प्राइस पर आधारित) 2022-23 में 159.71 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है जबकि 2021-22 के पहले संशोधित अनुमान में इसके 149.26 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया गया था। एनएसओ के अनुसार बेस प्राइस पर जीडीपी वृद्धि दर 2022-23 में सात प्रतिशत रहने का अनुमान है जो 2021-22 में 9.1 प्रतिशत थी। मुख्य रूप से मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के कमजोर प्रदर्शन से चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में वृद्धि दर धीमी पड़कर 4.4 प्रतिशत रही है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद, सेंसेक्स 900 अंक ऊपर आया

निफ्टी 272 अंक बढ़ा

मुम्बई। एजेंसी

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतो के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी होने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 899.62 अंक करीब 1.53 फीसदी उछलकर 59,808.97 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 272.45 अंक तकरीबन 1.57 फीसदी तेजी के साथ ही 17,594.35 पर बंद हुआ।आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी और टाइटन सबसे ज्यादा उछले। वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। बीएसई की बड़ी कंपनियों के जैसे ही मध्यम और छोटी कंपनियों में भी खरीददारी हावी रही। इससे मिडकैप 0.58 फीसदी बढ़कर 24,595.89 अंक और स्मॉलकैप 0.68 फीसदी ऊपर आकर 27,846.40 अंक पर पहुंचा। वहीं बीएसई में कुल 3639 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2182 में खरीददारी जबकि 1333 में बिकवाली रही। 124 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 42 कंपनियां तेजी जबकि सात गिरावट पर रहीं। वहीं एक के भाव स्थिर बने रहे। इस दौरान बीएसई के सभी 19 समूहों में बढ़त रही। अदाणी के शेयरों में विदेशी निवेश से भी बाजार में सकारात्मक प्रभाव पड़ा। इससे पीएसयू बैंकों के शेयरों में तेजी रही। एफआईआई की खरीददारी से यह धारणा और मजबूत हुई। अदाणी समूह ने अपनी चार सूचीबद्ध कंपनियों में कुछ हिस्सेदारी अमेरिकी संपत्ति प्रबंधक कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स को 15,446 करोड़ रुपये में बेची है।

कारोबार के दौरान बैंकिंग 2.13, कमोडिटीज 1.69, सीडी 0.48, ऊर्जा 1.26, एफएमसीजी

1.26, वित्तीय सेवाएं 1.76, हेल्थकेयर 0.11, इंडस्ट्रियल्स 0.76, आईटी 0.36, दूरसंचार 1.25, यूटिलिटीज 1.84, ऑटो 0.37, कैपिटल गुड्स 0.62, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.94, धातु 1.54, तेल एवं गैस 1.09, पावर 1.60, रियल्टी 1.39 और टेक समूह के शेयरों में 0.81 फीसदी की तेजी रही।

वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त पर बंद हुआ। अमेरिकी बाजार भी गत दिवस बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने शुद्ध रूप से 12,770.81 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सीईएआई ने रिजर्व बैंक से कहा- अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली से विदेशी मुद्रा लेनदेन रोकें

- आरबीआई को देश के भीतर आंतरिक लेनदेन जारी नहीं रखना चाहिए

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

कंसल्टिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीईएआई) ने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि लेनदेन शुल्क से बचने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए देश के भीतर विदेशी मुद्रा लेनदेन अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से न हो। वर्तमान में लेन-देन शुल्क देश के भीतर अमेरिकी डॉलर के लेनदेन पर लगाया जाता है। मान लें कि मौजूदा व्यवस्था में दिल्ली से हैदराबाद तक एक इकाई से दूसरी इकाई को अमेरिकी डॉलर में भुगतान अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से किया जाना आवश्यक है। सीधे भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से और अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से उन्हें रूट करने की कोई आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। केके कपिला, पूर्व अध्यक्ष, कंसल्टिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीईएआई)ने कहा यह एक अजीब परिदृश्य है कि देश के भीतर विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए भारत के बैंकों में से एक बैंक उन्हें भारत में दूसरे बैंक में वापस लाने के लिए अमेरिका को डॉलर भेजता है? उन्होंने कहा` कि इसमें तत्काल सुधार की जरूरत है, ऐसा न हो कि हम

हर एक दिन हारते रहें। यदि यह किसी व्यापार समझौते का हिस्सा है, तो इस पर तत्काल पुनर्विचार की जरूरत है। सर्वोच्च प्राथमिकता पर इसका समाधान निकाला जाना चाहिए। आरबीआई को तुरंत यह सुधार लाना चाहिए, नहीं तो देश मूल्यवान विदेशी मुद्रा खोता रहेगा। यह पूरी तरह से समझा जाता है कि भारत के अलावा अन्य देशों के लिए अमेरिकी लेनदेन को अमेरिका के माध्यम से जारी रखना है, लेकिन आरबीआई को देश के भीतर आंतरिक लेनदेन जारी नहीं रखना चाहिए।

एनएचपीसी ने सरकार को 997.75 करोड़ का अंतरिम लाभांश दिया

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सार्वजनिक क्षेत्र की पनबिजली कंपनी एनएचपीसी ने सरकार को वर्ष 2022-23 के लिए 997.75 करोड़ रुपए का अंतरिम लाभांश दिया है। कंपनी ने कहा कि एनएचपीसी ने दो मार्च 2023 को वित्तवर्ष 2022-23 के लिए भारत सरकार को 997.75 करोड़ रुपए के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है। एनएचपीसी ने वित्तवर्ष 2021-22 के लिए अंतिम लाभांश के रूप में चालू वित्तवर्ष 2022-23 के दौरान सरकार को पहले ही 356.34 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। इस प्रकार एनएचपीसी ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सरकार को कुल 1,354.09 करोड़ रुपए के लाभांश का भुगतान किया है। एनएचपीसी के पास आज आठ लाख से अधिक शेयरधारक हैं और वित्तवर्ष 2022-23 के लिए कुल अंतरिम लाभांश भुगतान 1,406.30 करोड़ रुपये है। एनएचपीसी ने वित्त वर्ष 2022-23 के पहले नौ महीनों में 3,264.32 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,977.62 करोड़ रुपए था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 3,537.71 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था।

होली से पहले खाने के तेलों की कीमतों में भारी गिरावट

- सरसों तेल घटकर 135 से 140 रुपए लीटर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

होली त्योहार पर मांग बढ़ने के बावजूद खाने के तेलों की कीमतों में भारी गिरावट देखी जा रही है। खाद्य तेलों के सस्ते होने की वजह विदेशी बाजार में इनके दाम घटने के साथ ही घरेलू तिलहन की पैदावार ज्यादा होना मानी जा रही है। पिछले साल इन दिनों सरसों तेल 165 से 170 रुपए लीटर बिक रहा था, जो अब घटकर 135 से 140 रुपए लीटर बिक रहा है। इसी तरह साल भर में रिफाइंड सोयाबीन तेल के दाम 140-145 रुपए से घटकर 115 से 120 रुपए लीटर और सूरजमुखी तेल के दाम 135-140 रुपए से घटकर 115 से 120 रुपए लीटर रह गए है। महीने भर में सरसों तेल 10 फीसदी, सोयाबीन तेल 3 फीसदी सस्ता हुआ है। साल भर में आयातित तेलों में कच्चे पाम तेल के दाम करीब 30 फीसदी गिरकर 95 रुपए लीटर और आरबीडी पामोलीन के दाम करीब 25 फीसदी घटकर 100 रुपए प्रति लीटर रह गए हैं।

भारत में खाद्य तेलों के दाम काफी हद तक विदेशी बाजारों पर निर्भर रहते हैं क्योंकि देश में इनकी खपत की पूर्ति के लिए बड़ी मात्रा में खाद्य तेल आयात किए जाते हैं। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ का कहना है कि ब्राजील व अर्जेंटीना में सोयाबीन और मलेशिया में पाम तेल का उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। जिससे विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम नरम पड़े हैं। इससे देश में आयातित तेल सस्ते हुए हैं। इसके अलावा देश में खरीफ सीजन में सोयाबीन की पैदावार ज्यादा थी और अब रबी सीजन में सरसों का रिकॉर्ड उत्पादन होने का अनुमान है। लिहाजा देश में तिलहन पैदावार बढ़ने से खाद्य तेलों की कीमतों में मंदी का माहौल बना है।

सोना चमका, फिर 56,000 की ओर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सोने में इस सप्ताह लगातार गिरावट आने के बाद शुक्रवार 3 मार्च, 2023 को वायदा बाजार में हरे निशान में खुला। हालांकि, इसमें बहुत ज्यादा तेजी दर्ज नहीं की जा रही थी। सोना लगातार सीमित दायरे में ही कारोबार कर रहा है। एमसीएक्स सोना सुबह खुलने के बाद 69 रुपए की बढ़त के साथ 55,808 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। गुरुवार को वायदा बाजार में यह 55,739 रुपए पर बंद हुआ था। सर्राफा बाजार में भी गोल्ड 55,900 के ऊपर पहुंच गया है, हालांकि, गुरुवार को इसमें बड़ी गिरावट आई थी. कुल मिलाकर सोना इस हफ्ते गिरावट देखने और सीमित दायरे में रहने के बावजूद धीरे-धीरे बढ़त बनाए हुए हैं। अगर चांदी की बात करें तो वायदा बाजार में चांदी अच्छे बढ़त के साथ खुली। आज सुबह चांदी 459 रुपए की तेजी के साथ 63,715 रुपए पर कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र में यह 63,256 रुपए पर बंद हुआ था। हालांकि, सर्राफा बाजार में चांदी ने कल बड़ी गिरावट देखी थी। अगर सर्राफा बाजार में सोने के हाजिर दाम देखें तो पिछले अपडेट के मुताबिक, गुरुवार को इसमें बड़ी गिरावट आई थी। चांदी ने भी बड़ी गिरावट देखी गई।

कमजोर वैश्विक रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने का भाव 295 रुपए की गिरावट के साथ 55,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 55,995 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 640 रुपए टूटकर 64,380 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

होंडा जल्द पेश करेगी 350 सीसी की रेसर बाइक

- 2 मार्च को नई बाइक लॉन्च करने के दिए संकेत

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश में अगले महीने 2 मार्च को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया एक नई बाइक लॉन्च करने जा रही है। यह बाइक नियो-रेट्रो स्टाइल में आने वाली बाइक सीबी 350 का 'कैफे रेसर' वर्जन होगा। पूर्व में कंपनी सीबी350 का एचनेस और आरएस वर्जन भी लॉन्च कर चुकी है।

कंपनी ने ऑफिशियली डेट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन 2 मार्च को नई बाइक लॉन्च करने के संकेत दिए हैं। 348सीसी के सिंगल सिलेंडर इंजन के साथ आने वाली होंडा सीबी350 के 'कैफे रेसर' वर्जन में भी यही इंजन देखने को मिलेगा, लेकिन इसमें ओबीडी2 अनुपालन के लिए बदलाव किए जाएंगे। खास बात ये है कि यह बाइक अब ई20 फ्यूल पर भी चल सकेगी। ई20 फ्यूल इथेनॉल और पेट्रोल का मिश्रण है, जिसमें 80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल को मिलाया जाता है। यह इंजन वर्तमान में 5,500 आरपीएम पर 20.8 बीएचपी की पावर और 3,000 आरपीएम पर 30 एनएम का टॉर्क जनरेट करती है। इस हिसाब से इंजन काफी पावरफुल है। बाइक में 5-स्पीड गियरबॉक्स ही देखने को मिलेगा। कैफे रेसर वर्जन को अलग बनाने के लिए डिजाइन में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। इसमें नए एलईडी लाइटिंग, एक सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, ड्यूल चैनल एबीएस जैसे कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। हालांकि बाइक में पहले की तरह ही टेलीस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और पीछे की तरफ ड्यूल शोक्स, एलॉय व्हील के साथ आगे और पीछे डिस्क ब्रेक देखने को मिलेंगे। इसके अलावा लॉन्च होने पर कैफे रेसर वर्जन की ज्यादा डिटेल सामने आएगी। उम्मीद की जा रही है कि मार्च के आखिर तक बाइक की बिक्री शुरू हो जाएगी। लॉन्च होने पर यह रॉयल इनफील्ड हंटर 350 और जावा 42 जैसे पॉपुलर रेट्रो बाइक को कड़ी टक्कर देगी। बाइक की कीमत 2 लाख रुपये के करीब हो सकती है। सीबी350 कैफे रेसर को हाल ही में एक विशेष क्लोज-डोर इवेंट में डीलर्स के सामने शोकेस किया गया था।

बाइक में एक छोटी फ्लाईस्क्रीन के साथ-साथ एक रियर सीट काउल के साथ एक नया हेडलैंप फेयरिंग भी मिलेगा, जो इसे शानदार कैफे रेसर लुक देगा।

कैफे रेसर बाइक के डिजाइन को ज्यादा अट्रैक्टिव बनाने के लिए इसमें क्रोम का इस्तेमाल किया जाएगा।

प्रत्यक्ष कर संग्रह अनुमान से ज्यादा रहेगा

15 मार्च को अग्रिम कर की चौथी किस्त जमा होने के बाद तस्वीर साफ होगी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

प्रत्यक्ष कर संग्रह सरकार के संशोधित अनुमान से अधिक रह सकता है। जिससे केंद्र को राजकोषीय घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार कॉरपोरेट कर प्राप्तियों में इजाफा और लंबित कर मांग की वसूली में सुधार से सरकार को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष में वास्तविक कर संग्रह 16.5 लाख करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान से अधिक रहेगा। वित्त वर्ष 2023 के लिए प्रत्यक्ष कर (व्यक्तिगत और कॉरपोरेट कर) प्राप्तियों को पहले के 14.08 लाख करोड़ रुपए के अनुमान से 17 फीसदी बढ़ाकर 16.50 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया था। फरवरी तक शुद्ध प्रत्यक्ष संग्रह (रिफंड जारी करने के बाद) 13 लाख करोड़ रुपए रहा, जो चालू वित्त वर्ष के संशोधित कर संग्रह अनुमान का करीब 80 फीसदी था। आंतरिक आकलन के जानकार एक अधिकारी ने कहा कि पहले 10 महीनों में कॉरपोरेट और व्यक्तिगत कर संग्रह में वृद्धि को देखते हुए संशोधित अनुमान से ज्यादा कर प्राप्ति की संभावना है। हालांकि इस बारे में 15 मार्च को अग्रिम कर की चौथी किस्त जमा होने के बाद तस्वीर साफ होगी। उक्त अधिकारी ने कहा कि बाह्य चुनौतियों के बावजूद कॉरपोरेट कर संग्रह पिछले साल की समान अवधि से 15 फीसदी ज्यादा रही है। अग्रिम कर की अंतिम किस्त के जमा होने पर कर संग्रह में और इजाफा होगा क्योंकि इस दौरान तमाम कंपनियां अपना पूरा बकाया कर चुकाती हैं। इसके अलावा बकाया कर मांग की वसूली के लिए किए गए प्रयास से भी राजस्व संग्रह बढ़ाने में मदद मिलेगी। धिकारिक आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल 2022 से 10 फरवरी 2023 तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 24.09 फीसदी बढ़कर 15.67 लाख करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कॉरपोरेट कर प्राप्तियों में 19.33 फीसदी और व्यक्तिगत आयकर संग्रह में 29.63 फीसदी का इजाफा हुआ है। रिफंड जारी करने के बाद कॉरपोरेट कर में शुद्ध वृद्धि 15.84 फीसदी और व्यक्तिगत कर में 21.93 फीसदी का इजाफा हुआ है। दूसरी ओर जनवरी के अंत में केंद्र का राजकोषीय घाटा पूरे साल के लक्ष्य का 67.8 फीसदी पर पहुंच गया था।

ऋषभ होते तो लायन और कुह्नमैन को की होती जमकर पिटाई : कनेरिया

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने कहा कि अगर आक्रामक विकेटीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में होते तो स्पिनर नाथन लायन और मैट कुह्नमैन को नहीं छोड़ते। ऋषभ दिसंबर माह में हुए कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर हैं और ऐसे में उनकी कमी प्रशंसकों को खल रही है। ऋषभ का टेस्ट में शानदार रिकार्ड रहा है। ऑस्ट्रेलिया ओर इंग्लैंड में भी इस बल्लेबाजी ने शतक लगाये हैं। स्पिनर कुह्नमैन ने तीसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने पहली बार पारी में 5 विकेट लिए जबकि लायन ने तीन विकेट लिए थे। वहीं दूसरी पारी में लायन ने अकेले ही भारतीय पारी को समेट दिया था। लायन ने दूसरी पारी में सात खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा था। कनेरिया ने कहा, अगर आप ऋषभ से पूछेंगे कि इन स्पिनरों के खिलाफ कैसे बल्लेबाजी करनी है, तो वह आपको अपने पैरों का उपयोग करने, गेंद की पिच पर पहुंचने और गेंद को दूर तक मारने के लिए कहेंगे। अगर वह वहां होता, तो वह लायन और कुह्नमैन को नहीं बख्शता। यह दोनो ही गेंदबाज अपनी लैंथ बदलने को मजबूर हो गये होते। कनेरिया ने भारतीय बल्लेबाजों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अनावश्यक स्ट्रोक खेलकर अपने विकेट गंवाये। इससे ऑस्ट्रेलियाई टी को हावी होने का अवसर मिल गया।

महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स टीम भी है खिताबी दावेदार

मुम्बई ।(एजेंसी)

शनिवार से यहां शुरु हो रहे महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के लिए गुजरात जायंट्स की टीम के पास ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ऐश गार्डनर जैसी खिलाड़ी हैं। गार्डनर अपने बल पर ही किसी मैच के परिणाम बदलने की क्षमता रखती हैं। इसके अलावा टीम की कमान बेथ मूनी के पास है। टीम के पास ट्वंटी-20 प्रारुप की विशेषज्ञ ऑलराऊंडर डिआंड्रा डॉटिन भी हैं। इसके अलावा टीम के पास स्नेह राणा, सबभिनेनी मेघना और सुषमा वर्मा जैसी खिलाड़ी हैं।

इन खिलाड़ियो पर रहेगी जिम्मेदारी

बेथ मूनी : ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मूनी ने पिछले माह टी20 विश्व कप फाइनल में शानदार पारी खेली थी। गुजरात को भी इस खिलाड़ी से इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

ऐश गार्डनर : ऑलराउंडर ऐश गार्डनर को जायंट्स ने 320,000 डॉलर में खरीदा है। बल्लेबाजी के साथ ही गार्डनर गेंद के साथ भी काफी अच्छा प्रदर्शन करती रही हैं। ऐसे में वह टीम की जीत में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

स्नेह राणा : ऑफ स्पिनर राणा एक ऑल-राऊंड क्रिकेटर हैं।

टीम इस प्रकार हैं : एशले गार्डनर, बेथ मूनी, सोफी डंकले, एना सदरलैंड, हरलीन देओल, डियांड्रा डॉटिन, स्नेह राणा, एस मेघना, जॉर्जिया वेयरहम, मानसी जोशी, डी हेमलता, मोनिका पटेल, तनुजा कंवर, सुषमा वर्मा, हर्ले गाला, अश्विनी कुमारी, परुणिका सिसोदिया, शबनम शकील।

अंतिम-11 : मूनी, मेघना, गार्डनर, देओल, हेमलता, वर्मा, सदरलैंड, वेयरहम, राणा, कंवर, जोशी।

ऐसे होंगे मैच

- 4 मार्च - मुंबई इंडियंस
- 5 मार्च - यूपी वारियर्स
- 8 मार्च - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 11 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स
- 14 मार्च - मुंबई इंडियंस
- 16 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स
- 18 मार्च - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 20 मार्च - यूपी वारियर्ज़ ।

हमें ऐसी ही कठिन पिचों पर खेलना है : रोहित

मैच ड्रॉ होने से बेहतर है कम समय में समाप्त होना

इंदौर ।(एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मीडिया के सभी सवालों के जवाब दिये। रोहित ने कहा, 'सीरीज जब शुरू होती है तो हम लोगों को तय करना होता है कि हम लोगों को क्या करना है। कैसी पिचों पर खेलना है। हम सबका मानना था कि हमको ऐसी ही पिचों पर खेलना है। इसलिए ऐसा नहीं है कि हम चुनौतीपूर्ण पिचों पर खेलकर अपने पर दबाव डाल रहे हैं। जब हम जीतते हैं तो सबकुछ अच्छा दिखता है। वहीं जब हारते हैं तो कई चीजें सामने आती हैं।' रोहित ने कहा कि स्पिन गेंदबाजी और अच्छा बल्लेबाजी क्रम हमारी ताकत है। इसलिए हम इसी अनुसार खेलेंगे। वहीं टेस्ट के ढाई-तीन दिन में समाप्त होने के सवाल पर रोहित ने कहा, 'परिणाम तो आ रहे हैं। मैच भले ही 5 दिन नहीं चल रहा, पर फैसला आने से सभी की मैच में रुचि बनी रहती है। वहीं पांच दिन तक खेलकर अगर मैच ड्रॉ रहे तो क्या लाभ। इससे अच्छा है कि मैच जल्दी समाप्त हो जाए।' रोहित ने पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हुई सीरीज का उदाहरण देते हुए यह बात कही। हाल ही में कराची में खेले गए दोनो टेस्ट मैच ड्रॉ रहे थे। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा, 'यह जीत हमारे लिए बेहद संतोषजनक है। इस जीत से हम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए हैं। अब ऑस्ट्रलिया का प्रयास सीरीज बराबर करना रहेगा।' स्मिथ ने कठिन पिच पर रन बनाने वाले उस्मान ख्वाजा, मार्नस लैबुशन और चेतेश्वर पुजारा की जमकर प्रशंसा की।

जस्विन ने इंडिया ओपन में स्वर्ण जीतने के साथ ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

विजयनगर । तमिलनानाडु के एथलीट जस्विन एल्ड्रिन ने इंडिया ओपन थ्रो एंड जम्प प्रतियोगिता की लंबी कूद स्पर्धा में 8.42 मीटर की छलांग लगाकर पुरुषों वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। जस्विन ने इसी के साथ ही मुरली श्रीशंकर के 8.36 मीटर के रिकार्ड को तोड़ा। वहीं केरल के मुहम्मद यहिया ने 7.85 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल करने के साथ ही रजत पर कब्जा किया जबकि ऋषभ ऋषिश्वर को 7.77 मीटर की छलांग के साथ ही कांस्य पदक ही मिल पाया। जस्विन ने पहले प्रयास में 8.05 मीटर की छलांग लगायी। उन्होंने दूसरे प्रयास में 8.26 मीटर की छलांग जबकि तीसरे में 8.42 मीटर की छलांग लगाकर राष्ट्रीय रिकार्ड बजाया। तमिलनाडु के जस्विन की अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग 8.26 मीटर की रही थी। उन्होंने पिछले साल फेडरेशन कप में 8.37 मीटर की छलांग भी लगायी थी मगर हवा की रफ्तार ज्यादा होने के कारण उस प्रयास को रद्द घोषित कर दिया गया था। इस उपलब्धि पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने जस्विन को बधाई देते हुए ट्वीट किया, तमिलनाडु के एल्ड्रिन ने दूसरी भारतीय ओपन जंप प्रतियोगिता में पुरुषों की लंबी कूद में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। जस्विन ने 8.42 मीटर की छलांग लगाकर मुरली श्रीशंकर के 8.36 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ा। बधाई हो! इसी तरह आगे बढ़ते रहो!

तीसरे टेस्ट में हार से भारत की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप दावेदारी कमजोर पड़ी

इंदौर ।(एजेंसी)

यहां मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले मिली हार से भारतीय टीम को झटका लगा है क्योंकि उसकी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की संभानाएं कम हुई हैं। भारतीय टीम इस सीरीज में हालांकि अभी भी 2-1 से आगे है। इस सीरीज का चौथा टेस्ट 9 मार्च से अहमदाबाद में होगा। उसमें अगर भारतीय टीम हारती है तो वह फाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल इस साल जून में इंग्लैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम को अब श्रीलंका और न्यूजीलैंड सीरीज के परिणाम पर भी नजर रखनी होगी। 9 मार्च से शुरू होने वाली सीरीज में न्यूजीलैंड अगर जीत हासिल करती है तो भारतीय टीम को लाभ होगा। वहीं डब्ल्यूटीसी रैकिंग में तीसरे स्थान पर मौजूद श्रीलंकाई टीम अगर दोनों टेस्ट में कीवी टीम को हरा देती है तो वह डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंच जाएगी । वहीं यदि अहमदाबाद में 9 मार्च से शुरू होने वाल टेस्ट मैच ड्रॉ रहा तो सीरीज में भारत को 2-1 से जीत मिलेगी। इसी के साथ भारतीय टीम का जीत प्रतिशत भी कम होकर 59 प्रतिशत रह जाएगा। हालांकि यदि श्रीलंकाई टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है तो वह फाइनल में पहुंच जाएगी पर इसकी संभावनाएं बेहद कम हैं। यह बेहद मुश्किल है कि श्रीलंकाई टीम न्यूजीलैंड को उसकी धरती पर सीरीज हरा दे।

संक्षिप्त समाचार

गावस्कर ने बताया भारतीय टीम की हार का कारण

इंदौर । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट में भारतीय टीम को मिली करारी हार के बाद कहा कि इस मैच में पिच ही खिलाड़ियों के दिमाग पर हावी रही। गावस्कार ने बल्लेबाजों की आलोचना करते हुए कहा उन्होंने अपनी प्रतिभा के अनुरुप नहीं खेला गावस्कर ने कहा, बल्लेबाजों ने अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं किया। यदि आप भारतीय विकेटों को देखते हैं, तो आप पाएंगे कि बल्लेबाजों ने स्वयं ही विकेट गंवाये। उन्होंने कुछ शॉट्स खेलकर ही ये यह अनुमान लगाया कि यह पिच क्या करने जा रही है। उन्होंने कहा, अगर आप देखें तो बल्लेबाजों में आत्मविश्वास की कमी दिखी क्योंकि पहले दो मैचों में रोहित शर्मा के अलावा किसी ने भी ज्यादा रन नहीं बनाए थे। तीसरे मैच में बल्लेबाज पिच को समय ही नहीं पाये। उन्होंने पिच को अपने ऊपर हावी होने दिया। पहली पारी के बाद दूसरी पारी में भी यह हाल रहा। हार के बाद भी भारतीय टीम अभी भी चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है। गावस्कर ने कहा कि पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद भारतीय टीम ने पहली पारी में 60-70 रन कम बनाये थे। पूर्व कप्तान ने कहा, पिच ने पहले घंटे में ही असर दिखाना शुरु कर दिया था, इसलिए यह आसान नहीं था, लेकिन फिर भी अगर हमने पहली पारी में 160-170 रन बनाए होते तो हालात कुछ और होते।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम के नए कोच बने फुल्टन

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के क्रेग फुल्टन भारतीय पुरूष हॉकी टीम के नये कोच बने हैं। फुल्टन इससे पहले बेल्जियम के सहायक कोच रहे हैं। विश्व कप में विफलता के बाद भारतीय टीम के कोच पद से ग्राहम रीड ने इस्तीफा दे दिया था। उसी के बाद फुल्टन को इस पद के लिए चयनित किया गया है। हॉकी इंडिया ने 10 मार्च से एफआईएच हॉकी प्रो लीग के घरेलू मैचों से पहले नये कोच के नाम की घोषणा की है। फुल्टन को करीब 25 साल कोचिंग का अनुभव है। वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में खिताब विजेता रही बेल्जियम टीम के सहायक कोच भी रहे हैं। वह भुवनेश्वर में 2018 विश्व कप जीतने वाली बेल्जियम टीम के सहयोगी स्टाफ का भी हिस्सा थे। इसके आलावा वह 2014 से 2018 के बीच आयरलैंड की टीम के भी मुख्य कोच रहे थे। वहीं एक खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने एक दशक में दक्षिण अफ्रीका की ओर से 195 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की ओर से अटलांटा ओलंपिक 1996 और एथेंस ओलंपिक 2004 के अलावा विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेलों में भी भाग लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने फुल्टन की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, 'मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हॉकी इंडिया ने भारतीय पुरूष टीम के लिए फुल्टन को मुख्य कोच चुना है। मैं उनके खिलाफ खेल चुका हूं और अब भारतीय टीम के नए दौर में उनके साथ काम करूंगा। उन्होंने कहा, 'उनके पास अपार अनुभव है और उनकी कार्यशैली टीमों में आत्मविश्वास बढ़ाती है। मैं भारत में उनका स्वागत करता हूं।

महिला प्रीमियर लीग : हरमनप्रीत की कप्तानी में उतरेगी मुंबई इंडियंस

मुम्बई ।(एजेंसी)

मुंबई इंडियंस शनिवार से यहां शुरु हो रहे महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खिताब जीतने के इरादे से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम के पास नेट साइवर के अलावा गेंदबाजी में पूजा वस्त्रकार जैसी खिलाड़ी हैं। टीम में हेले मैथ्यूज भी शामिल हैं। मैथ्यूज ने महिला टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा यास्तिका भाटिया, अमनजोत कौर जैसी उभरती ऑलराउंडर भी उसके पास हैं।

मुंबई की गेंदबाजी हालांकि कमजोर नजर आ रही है। उनके पास वस्त्राकर, साइवर-ब्रंट, मैथ्यूज, केर, ग्राहम और ट्रायॉन जैसी बल्लेबाज हैं पर गेंदबाजों में उसके पास स्टार खिलाड़ी नहीं हैं।

इन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

हरमनप्रीत कौर : मुंबई की बल्लेबाजी हरमनप्रीत पर आधारित रहेगी। हरमनप्रीत के पास बल्लेबाजी का अच्छा अनुभवी है। हरमनप्रीत के पास द हंड्रेड, किआ सुपर लीग और महिला बिग बैश का अच्छा अनुभव है।

नैट साइवर-ब्रंट : ब्रंट विश्व की अग्रणी ऑलराउंडर है। इस क्रिकेटर ने गेंद और बल्ले से कई बार अपनी टीम को जीत दिलायी है।

अमेलिया केर : न्यूजीलैंड की ऑलराऊंडर केर सर्वश्रेष्ठ लेग स्पिनरों में से एक है, एक शानदार गुगली के साथ विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकती हैं। इसके अलावा व नंबर तीन पर एक अच्छी बल्लेबाज भी हैं।

टीम इस प्रकार हैं : हरमनप्रीत कौर, नैट साइवर, अमेलिया केर, पूजा वस्त्राकर, यस्तिका भाटिया, हीथर ग्राहम, इसाबेल वोंग, अमनजोत कौर, धारा गुर्जर, सायका इशाक, हेले मैथ्यूज, क्लो ट्राइटन, हुमायरा काजी, प्रियंका बाला, सोनम यादव, जिंतिमनी कलिता, नीलम बिष्ट।

संभावित लाइन-अप : भाटिया, मैथ्यूज, केर, कौर, साइवर-ब्रंट, ग्राहम, वस्त्राकर, बाला, कौर, कलिता, इसहाक

मैच कार्यक्रम

- 4 मार्च - गुजरात जाइंट्स
- 6 मार्च - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- 9 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स
- 12 मार्च - यूपी वारियर्स
- 14 मार्च - गुजरात जायंट्स
- 18 मार्च - यूपी वॉरियर्स
- 20 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स
- 21 मार्च - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ।

स्मिथ के सामने विफल रही रोहित की रणनीति

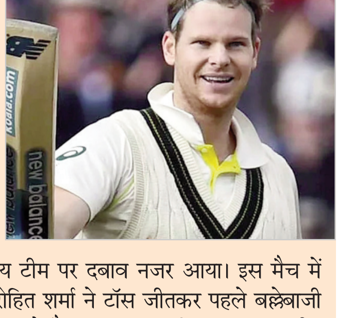

इंदौर । स्टीव स्मिथ की कप्तानी में मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में मिली जीत के साथ ही अपनी हार का सिलसिला रोक दिया है। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सीरीज में अच्छी वापसी की है। पहले दो मैचों में जहां मेहमान टीम दबाव में थी। वहीं इस मैच में भारतीय टीम पर दबाव नजर आया। इस मैच में भारतीय टीम के के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था पर उनका ये फैसला गलत साबित हुआ। भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये। इस जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पयनशिपी में शीर्ष पर मेहमान टीम की स्थिति और मजबूत हुई है। इस मैच में स्मिथ ने भारतीय कप्तान रोहित की रणनीति को टिकने नहीं दिया। रोहित ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया क्योंकि वह जानते थे कि पिच तीसरे दिन के बाद स्पिन गेंदबाजों के लिए बहुत अधिक सहायक रहेगी। ऐसे में रोहित चाहते थे कि ऑस्ट्रेलिया टीम चौथी पारी में बल्लेबाजी के लिए आए पर पिच का रुख पहले दिन के पहले ही घंटे से बदल गया। पिच में असमान्य उछाल और टर्न के कारण भारतीय बल्लेबाज आउट होने लगे। इसी का लाभ ऑस्ट्रेलिया ने उठाया। शुरुआत के कुछ ओवर तेज गेंदबाज से कराने के बाद स्मिथ ने दोनों छोर से स्पिनर लगा दिये। इसका परिणाम भारतीय पारी समाप्त होने के रुप में सामने आया। स्मिथ इस बात को भी जानते थे कि भारतीय टीम के पास उनसे अच्छे स्पिनर हैं। ऐसे में उन्होंने भारतीय बल्लेबाजी की गलतियों से सबक लेकर अपने बल्लेबाजों को समझा कर भेजा था। इससे टीम बढ़त देने में सफल रही। मैदान पर उन्होंने क्रिकेट के नियमों का जिस तरह से इस्तेमाल किया वह काफी रोचक है। खास तौर से डीआरएस को बिना गंवाए थर्ड अंपायर के फैसले का लाभ कैसे लें। इसके कारण भी स्मिथ की तारीफ हो रही है।

सर्वश्रेष्ठ गेंद पर विश्वास से मिली सफलता : लायन

इंदौर । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को भारत दौरे में पहली जीत दिलाने वाले स्पिनर नाथल लायन ने कहा है कि अगर अगर आप अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंद पर विश्वास करते हैं तो आप किसी भी टीम को टक्कर दे सकते हैं। मैच में कुल 11 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने लायन ने कहा, यह काफी अहम टेस्ट सीरीज रही है। यहां अच्छा टीम प्रदर्शन करने पर मुझे गर्व है। आज टीम को जीतते देखना काफी अहम बात है। मेरे पास खेल में सभी चालें या सभी ट्रेड नहीं हैं पर मेरे पास एक चीज है जो मेरी स्टॉक बॉल पर भरोसा है। यह विश्व क्रिकेट में सबसे बड़ी बात है, अगर आप अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंद पर विश्वास करते हैं तो आप सर्वश्रेष्ठ टीम को चुनौती दे सकते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने इसमें महारत हासिल की है। मैं काफी भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे विराट और पुजारा जैसे कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियो के विकेट मिले।

महिला आईपीएल आज से , आरसीबी के पास खिताब जीतने के अच्छे अवसर

मुम्बई ।(एजेंसी)

महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) शनिवार से यहां शुरु होगा। इसमें रॉयल चैलैंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) सबसे प्रबल दावेदोर के के तौर पर उतरेगी। आरसीबी के पास एक से बढ़कर एक देशी और विदेशी खिलाड़ी हैं। टीम की कप्तानी स्मृति मंधाना के पास है। मंधाना लीग की सबसे महंगी खिलाड़ी हैं। इसके अलावा एलिसा पेरी, वैन नीकेर्क, हीथर नाइट, रेणुका सिंह ठाकुर और सोफी डिवाइन जैसी अहम खिलाड़ी इस टीम के पास हैं। जीत दर्ज करने के लिए उसकी सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

इन तीन खिलाड़ियों को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

स्मृति मंधाना : डब्लयूपीएल लीग की सबसे महंगी क्रिकेटर स्मृति मंधाना के लिए आरसीबी ने 3.40 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। अनुभवी बल्लेबाज मंधाना इस समय अच्छी लय में हैं जिसका लाभ टीम को मिलेगा।

एलिसे पेरी : ऑस्ट्रेलियाई ऑलराऊंडर पेरी ने पिछले एक साल में अपने टी-20 खेल को और बेहतर बनाया है। उनका भारत में प्रदर्शन बढ़िया रहा है। बेहतरीन ऑलराऊंडर होने के कारण वह आरसीबी की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

ऋचा घोष : युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा ने टी-20 विश्व कप से पहले अंडर-19 टी20 विश्व कप में शानदार रोल अदा किया था। आरसीबी ने उनके लिए 190,000 डॉलर की बोली लगाई थी।

टीम इस प्रकार है : स्मृति मंधाना, सोफी डिवाइन, एलिस पेरी, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष, एरिन बर्न्स, दिशा कासत, इंद्राणी रॉय, श्रेयंका पाटिल, कनिका आहूजा, आशा शोभना, हीथर नाइट, डेन वैन नीकर्क, प्रीति बोस, पूनम खेमनार, कोमल जंजाद, मेघन शुट्ट, सहाना पवार।

संभावित अंतिम -11 : मंधाना, डिवाइन, नाइट, पेरी, घोष, कसाट, आहूजा, बोस, शुट्ट, ठाकुर, जंजाद।

आरसीबी का कार्यक्रम

- 5 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स
- 6 मार्च - मुंबई इंडियंस
- 8 मार्च - गुजरात जायंट्स
- 10 मार्च - यू.पी. वारियर्स
- 13 मार्च - दिल्ली कैपिटल्स
- 15 मार्च - यू.पी. वॉरियर्स
- 18 मार्च - गुजरात जायंट्स
- 21 मार्च - मुंबई इंडियंस

एआई तकनीक से प्रतिभाओं की तलाश करेगी आरसीबी : हेसन

मुंबई । (एजेंसी)

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक माइक हेसन ने शनिवार से शुरु हो रही महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पहले कहा है कि उनकी फ्रैंचाइजी महिला क्रिकेट टीम के लिए प्रतिभाओं की तलाश करने एआई तकनीक (कृत्रिम बुद्धिमता) की भी सहायता लेगी। हेसन ने कहा कि टीम प्रबंधन प्रतिभाशाली प्रतिभाओं की तलाश के लिए 'स्काउट्स भी भेजगा। हेसन ने कहा, ''हमारे पास 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी प्रणाली है और हमें लगता है कि नियमित 'स्काउट्स भेजने के साथ हमें एआई से भी प्रतिभाओं को तलाशने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इतनी प्रतिभायें हैं जिसमें से हम उन्हें छांटकर शिविर में लेकर आयेंगे और कुछ विशेष टूर्नामेंट में खेलने का अवसर देंगे। वहीं महिला टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने स्पष्ट कहा कि डब्ल्यूपीएल के दौरान बड़े खिलाड़ियों को क्रम से आराम दिया जाएगा। इनमें एलिस पैरी, मेगान शट, हीथर नाइट और डेन वान निकर्क जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। इन चार बड़ी क्रिकेटरों के अलावा आरसीबी ने न्यूजीलैंड की महान खिलाड़ी सोफी डेविने और डब्ल्यूबीबीएल स्टार एरिन बर्न्स को भी अपनी टीम में शामिल किया है। । सॉयर ने स्वीकार किया कि उनके पास मैच में शामिल करने के लिये काफी विकल्प हैं। उन्होंने कहा, ''सभी छह खिलाड़ी एक भूमिका निभायेगी। हम पहले छह दिन में चार मैच खेलेंगे। हम अलग अलग टीमों के खिलाफ अलग अलग खिलाड़ी उतारेंगे और मैं भाग्यशाली हूं कि हमारे पास कई खिलाड़ी उपलब्ध हैं।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्र्स्पर्जिलस नाइजर, एर्र्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियाँ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियाँ

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी.सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव

फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।

उर्वरक

प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर

पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।

सिंचाई एवं जल निकास

लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।

मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियाँ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

आईएमएफ ने लोन देने से किया इनकार, डिफॉल्टर होगा पाक!

इस्लामाबाद । आर्थिक रूप से महाकंगाली से गुजर रहे पाकिस्तान के डिफॉल्टर होने का खतरा गहरा गया है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडी ने पाकिस्तान की रेटिंग को जहां सीएए3 कर दिया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने लोन देने से एक तरह से किनारा कर लिया है। इससे पाकिस्तान की शहबाज सरकार हताश हो गई है और खुलकर आईएमएफ पर लोन नहीं मिलने के लिए ठीकरा फोड़ रही है। बार-बार कर्ज मांगकर भखिारियों वाली हालत में पहुंच चुके पाकिस्तान को आईएमएफ से ताजा लोन के लिए मनाने में नाको चने चबाना पड़ रहा है। वहीं विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अब डिफॉल्ट होने से मात्र कुछ सप्ताह ही दूर है।मूडी के रेटिंग घटाने और आईएमएफ से लोन की दूर-दूर तक कोई उम्मीद नहीं दिखने पर पाकिस्तानी अधिकारी इसके लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसी को जिम्मेदार बताने लगे हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी अधिकारी इस बात से बौखलाए हुए हैं कि आईएमएफ शर्ते लगा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सदस्य देश हैं, भखिारी नहीं। एक अन्य पाकिस्तानी अधिकारी ने तो हालात की तुलना साल 1998 से कर दी। उस समय पाकिस्तान ने परमाणु विस्फोट किया था और देश में आर्थिक तबाही आ गई थी। इसके बाद पाकिस्तान के डिफॉल्ट होने का खतरा प्रबल हो गया था।पाकिस्तान की सरकार आईएमएफ को मनाने में नाकाम रही है और उसको लोन मिलना अब बहुत ही मुश्किल हो गया है। पाकिस्तानी अखबार ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक यह बहुत ही दुर्लभ है कि शहबाज सरकार भारी राजनीतिक कीमत चुकाते हुए कठोर फैसले लेने के बाद भी आईएमएफ से लोन नहीं ले पाई है। अब पाकिस्तानी यह दावा कर रहे हैं कि इसके लिए आईएमएफ ही जिम्मेदार है। हालत अब यह हो गई है कि पाकिस्तान के वित्त मंत्री अमेरिका की शरण में पहुंच गए हैं।पाकिस्तानी वित्त मंत्री इशाक डार ने अमेरिका के डिप्टी वित्त मंत्री वल्ली अडेयेमो के साथ बैठक की है। अमेरिकी मंत्री एक दूसरे मुद्दे पर बातचीत करना चाहते थे और इसी में पाकिस्तान लोन की भीख मांगने लगा। पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच मुद्रा के एक्सचेंज रेट, ब्याज दर, बिजली पर सरचार्ज को लेकर मतभेद बना हुआ है। पाकिस्तान सरकार करीब 25 साल के बाद इस तरह के हालात का सामना कर रही है। पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच में 1.1 अरब डॉलर के लोन के लिए पिछले करीब 1 महीने से बातचीत चल रही है। पाकिस्तान को चीन को छोड़कर किसी देश से लोन नहीं मिल रहा है। दोस्त सऊदी अरब भी किनारा कर चुका है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर में 32 की मौत, 80 से अधिक घायल

एथेंस । मध्य ग्रीस में दो ट्रेनों के बीच भीषण टक्कर में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। सीएनएन ने ग्रीक फायर सर्विस के हवाले से बताया कि हादसा लारिसा शहर के पास टेंपी में मंगलवार देर रात हुआ। 350 लोगों को लेकर एथेंस से उत्तरी शहर थेसालोनिकी जा रही पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी के बीच टक्कर की वजह की जांच की जा रही है। राष्ट्रीय प्रसारक ईआरटी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि जोरदार टक्कर के बाद कई डिब्बे पटरी से उतर गए और कम से कम तीन में आग लग गई। ग्रीक फायर सर्विस ने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सेवा के प्रवक्ता वासिलिस वर्थकोगियानिस ने कहा कि 17 वाहनों और 40 एंबुलेंस के साथ कम से कम 150 दमकलकर्मी वर्तमान में चल रहे बचाव अभियान में शामिल हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की है कि 194 यात्रियों को सुरक्षित रूप से थेसालोनिकी ले जाया गया और 20 लोगों को लारिसा शहर में बस द्वारा स्थानांतरित किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि घायलों में से 53 अस्पताल में भर्ती हैं।

गौतम अदानी पर बांग्लादेश में विपक्षियों का हल्ला बोल

ढाका । भारत के अरबपति कारोबारी गौतम अदानी की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। एक तो पहले से ही अडानी समूह गंभीर आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है और अब बांग्लादेश में विपक्षी दलों और सिविल सोसायटी ने अदानी समूह के साथ ऊर्जा क्षेत्र में किए गए क़रार पर जोर शोर से हल्ला बोल दिया है।गौरतलब है की वर्ष 2017 के नवंबर माह में बांग्लादेश सरकार ने अदानी समूह के साथ 1.7 अरब डॉलर का क़रार किया था। इस करार के अनुसार भारत में झारखंड के गोड्डा में 1600 मेगावाट का कोयला आधारित पावर प्लांट लगाया जाना था और इस प्लांट से पैदा हुई बिजली को 25 सालों तक बांग्लादेश को बेचा जाना था। लेकिन पिछले कुछ हफ़्तों में बांग्लादेश में इस समझौते को लेकर तमाम आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। इनमें इस समझौते को भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय रिश्तों के लिए जोख़िमपूर्ण बताया जा रहा है। बांग्लादेश वर्तमान में भारत से 1,160 मेगावाट बिजली का आयात करता है।24 जनवरी को आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद से अडानी समूह के बुरे दिन शुरू हो गए हैं। गौतम अदानी के नेतृत्व वाला अदानी समूह वर्तमान में गंभीर आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में पुलिस ने की भारतीय नागरिक को गोली मारी, मौत

सिडनी,। ऑस्ट्रेलिया में पुलिस ने भारतीय नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी हैं। यह पूरी घटना ऑबर्न रेलवे स्टेशन के पास घटित हुई जब 28 साल के भारतीय नागरिक मोहम्मद रहमतुल्लाह सैयद अहमद ने मंगलवार को 12-03 बजे एक सफाईकर्मी पर चाकू से हमला किया था। उसके बाद उसने पुलिस को भी धमकाया। जिसके चलते पुलिस ने उसे मौके पर ही गोली से मार दी। भारतीय दूतावास ने इस संबंध में ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स की पुलिस से पूरी रिपोर्ट मांगी है। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय दूतावास ने पहचान की थी कि हमलावर मोहम्मद रहमतुल्लाह सैयद अहमद तमिलनाडु का रहने वाला था और ब्रिजिंग वीजा पर ऑर्बन में रह रहा था। सिडनी के मॉर्निंग हेराल्ड अखबार के अनुसार पुलिस के हवाले से बताया कि अहमद ने मंगलवार को ऑबर्न रेलवे स्टेशन पर एक सफाई कर्मी पर हमला किया। उसके बाद उसने 2 अन्य पुलिस अधिकारियों पर भी हमला करने की कोशिश की थी। उसी दौरान एक पुलिस अधिकारी ने 3 गोलियां चलाई जिसमें से दो अहमद के सीने में लगी। इसके साथ वहीं प्रोबेशनरी कॉन्स्टेबल ने उस पर अपने टेजर का भी इस्तेमाल किया था। हालांकि उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहा डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। न्यू साउथ वेल्स की पुलिस सहायक आयुक्त स्टुअर्ट ने बताया कि हमारे पास जवाब देने के लिए कुछ ही सेकंड बचे थे। उनके अनुसार अपनी जान बचाने के लिए उनके पास अहमद को गोली मारने के अलावा कोई और अन्य विकल्प नहीं बचा था। हालांकि उन्होंने कहा की घटना दर्दनाक है इसके लिए आतंकवाद विरोधी एजेंसियो की जांच में मदद भी ली जाएगी। साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि अहमद मानसिक रूप से कहीं अस्वस्थ तो नहीं था। जिसकी वजह से उसने सफाईकर्मी पर हमला किया और पुलिस अधिकारियों को भी धमकाया।

हम आईएमएफ के सदस्य, भिखारी नहीं, अगर ऐसा है तो हमारी सदस्यता ही खत्म कर दीजिए : पाक अफसर

बिना किसी नोटिस के बदला आईएमएफ ने 4 पूर्व शर्तें, पाक आगबबूला

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की तरफ से मिलने वाला बेलआउट पैकेज पाकिस्तान के लिए आर्थिक संकट में आखिरी उम्मीद था। आखिर में बात नहीं बनी और अब हालात दिन-पर-दिन गंभीर होते जा रहे हैं। अब जो खबरें पाकिस्तान की मीडिया में आ रही हैं, उसके मुताबिक देश की अथॉरिटीज इस बात से खासी नाराज हैं कि संगठन ने पूर्व की चार शर्तों पर अपना दिमाग बदल लिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार अब आईएमएफ की फंडिंग को हासिल करने के लिए मशक्कत कर रही है। अधिकारी पर्दे के पीछे वार्ता कर रहे हैं और प्रशासन काफी घबराया हुआ है। अथॉरिटीज की मानें तो अब कर्ज की किस्त को जारी कराने में मुश्किल बढ़ती जा रही है।मीडिया के अनुसार आईएमएफ ने कम से कम चार पूर्व शर्तों को बदल दिया और वह भी बिना किसी नोटिस के। जैसे ही बेलआउट पैकेज के लिए स्टाफ लेवल एग्रीमेंट होने को था, इन शर्तों की वजह से परेशानी पैदा हो गई। सूत्रों की तरफ से बताया गया है कि अथॉरिटीज ताजा स्थिति की वजह से संगठन से काफी नाराज हैं। उन्होंने पूरी स्थिति को पाकिस्तान के साथ बदसलूकी करार दिया है। एक सीनियर ऑफिसर ने कहा कि हम आईएमएफ के सदस्य हैं, भिखारी नहीं हैं या अगर ऐसा है तो फिर हमारी सदस्यता ही खत्म कर दीजिए। एक और अधिकारी ने कहा कि हालात इस समय बिल्कुल सन् 1998 वाले हैं। उस समय भी पाकिस्तान की आर्थिक स्थितियां बेहद खराब थीं। परमाणु परीक्षणों की वजह से हालात बद से बदतर हो गए थे और देश दिवालिया होने की कगार पर आ गया था।आईएमएफ के कर्ज प्रोग्राम की जिन चार बिंदुओं को पूरा नहीं किया जा सका है, उनमें सेंट्रल बैंक की ब्याज दर को बढ़ाना शामिल है। विनिमय दर बढ़ाना, विदेशी वित्तीय अंतर को मित्र देशों से पूरा करने का लिखित भरोसा देना और बिजली की कीमतों को प्रति यूनिट 3.39 रुपए प्रति यूनिट तक बढ़ाना शामिल है। इस मूल्य वृद्धि को वित्तीय बिल के जरिए बढ़ाने की बात कही गई है। एक अधिकारी ने इन सभी बिंदुओं को पूरी तरह से अतार्किक करार दिया है।पाक अधिकारियों ने कहा कि आईएमएफ गरीबों को सार्वजनिक तौर पर मदद करना चाहता है, लेकिन वह ऐसे उपायों पर जोर दे रहा है जिसकी वजह से निश्चित तौर पर कम आय वाले वर्ग पर बुरा असर पड़ेगा। इस निराशा के बाद भी अधिकारियों ने अंदाजा लगाया है कि स्टाफ लेवल एग्रीमेंट अगले हफ्ते किसी नतीजे पर पहुंच सकता है। साथ ही कुछ देशों से भी वित्तीय मदद मिल सकती है। कुछ देशों ने अनुमानित समय ये ज्यादा टाइम ले लिया है। हालांकि इसे स्वीकारने में भी वो हिचक नहीं रहे हैं कि विश्वसनीयता और भरोसे में कमी के अलावा राजनयिक प्रयासों में भी कमी है। इसकी वजह से हालात काफी खराब होते जा रहे हैं। एक अधिकारी के मुताबिक स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान का विदेशी मुद्राभंडार जून के अंत तक 3.1 अरब डॉलर से बढ़कर 10 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सूत्रों की तरफ से बताया गया है कि अथॉरिटीज को 1.3 अरब डॉलर की रकम चीनी बैंकों से तीन किस्तों में मिलने वाली है। इसमें से 700 मिलियन डॉलर पहले ही हासिल हो चुके हैं। इसके बाद 500 मिलियन डॉलर और फिर 300 मिलियन डॉलर की रकम अगले कुछ दिनों में मिलेगी। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की तरफ से भी तीन अरब डॉलर से ज्यादा की रकम मिल सकती है।

सिर्फ 12 दिनों में परमाणु बम बना सकता है ईरान

वॉशिंगटन। ईरान अब परमाणु बम बनाने के करीब पहुंच गया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ईरान सिर्फ 12 दिनों में परमाणु बम की सामग्री बना सकता है। ईरान ने यूरेनियम की एक बड़े खेप इकट्ठा की है। ईरान ने इसे इतना संवर्धित कर लिया है कि परमाणु बम बना सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक डॉ कॉलिन काहल ने सांसदों से कहा कि साल 2015 के ईरान परमाणु समझौते की शर्तों के तहत पहले ईरान को परमाणु बम के लिए पर्याप्त सामग्री बनाने में एक साल लग जाते थे। उन्होंने कहा कि चूंकि हमारे संयुक्त व्यापक कार्रवाई योजना (जेसीपीओए) छोड़ने के बाद से ईरान की परमाणु प्रगति उल्लेखनीय रही है। जब पिछले प्रशासन ने जेसीपीओए को छोड़ने का फैसला किया था तो ईरान को एक बम के लायक पर्याप्त सामग्री बनाने में करीब 12 महीने लगते थे। अब इसमें करीब 12 दिन लगेंगे। काहल ने कहा कि इसलिए मुझे लगता है कि अभी भी यह विचार है कि यदि आप इस मुद्दे को कूटनीतिक रूप से हल कर सकते हैं और उनके परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगा सकते हैं, तो यह अन्य विकल्पों की तुलना में बेहतर है। लेकिन जेसीपीओए सुस्त पड़ा हुआ है। वहीं अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान विखंडनीय सामग्री के उत्पादन के करीब पहुंच गया है। उन्हें विश्वास नहीं है कि उसने वास्तव में बम बनाने की तकनीक में महारत हासिल कर ली है।

214 साल पुरानी 1170 किलो की सीप

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में समुद्र तट पर 1 सीप मिली है। इसका आकार और मजबूती के कारण इस पर विशेष ध्यान गया। 1170 किलो वजन की इस सीप को खोजकर्ता अपने साथ लेकर गए। इसकी कार्बन डेटिंग करने पर जानकारी लगी, कि यह 214 साल पुरानी सीप है। खोजकर्ताओं का कहना है कि इस सीपी का इस समुद्र तट पर मिलना सबसे दुर्लभ घटना है।

पेरिश में फैशन वीक में परिधानों को पेश करती हुई एक मॉडल।

चीन की वुहान लैब से ही पूरी दुनिया में फैला कोरोना : अमेरिका

वॉशिंगटन । दुनियाभर में कोरोना ने कोहराम मचा रखा था और करोना की उत्पति को लेकर सवाल खड़ किए गए थे। चीन को लेकर सवाल खड़ किए जा रहे थे। कई बार ठोस दावा भी कयिा गया था कि कोवडि-19 महामारी की उत्पत्ति चीन में वुहान की एक प्रयोगशाला से ही हुई थी। अमेरकिा की ओर से इस बारे में कई खुफिया जानकारी भी साझा की गई हैं। अब इसकी पुष्टि अमेरकिा की खुफयिा जांच एजेंसी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने की है।एफबीआई के नदि‍ेशक क्रिस्टोफर रे ने पुष्टि करते हुए कहा है कि ब्यूरो ने आंकलन किया है कि कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति चीन के वुहान में एक प्रयोगशाला से हुई है। इस बाबत एफबीआई ने एक ट्वीट भी कयिा है। इस बीच देखा जाए तो अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने भी अपनी एक रिपोर्ट में इस बात की प्रबल आशंका जताई थी कि कोविड-19 महामारी किसी प्रयोगशाला में हुई लीक का नतीजा हो सकती है।मीडिया में प्रकाशति रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई थी और बताया गया था कि व्हाइट हाउस और अमेरिकी संसद के प्रमुख सदस्यों को सौंपी गई एक खुफिया रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में यह भी खुलासा कयिा गया था कि अमेरकिी ऊर्जा विभाग ने पहले इस वायरस की उत्पत्ति को लेकर किसी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, अब नेशनल इंटेलिजेंस के निदेशक एवरिल हैन्स के कार्यालय द्वारा 2021 के दस्तावेज़ के अपडेट में यह नई जानकारी दी गई है। वहीं अब खुफयिा जांच एजेंसी संघीय जांच ब्यूरो ने भी इसकी पुष्टि कर दी है कि कोरोना की उत्पत्ति चीन की वुहान की एक लैब से ही हुई थी। इस लैब से नकिले वायरस ने ही दुनिया में तबाही मचाई थी

सिंगापुर में एक रिसॉर्ट में शुरु हुई प्रदर्शनी को देखते हुए लोग।

अमेरिकी कानून निर्माताओं ने चीन को अमेरिका पर अस्तित्व पर खतरा करार दिया

सीसीपी ने कहा- हमें इस पर तत्काल कदम उठाने होंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी कानून निर्माताओं ने चीन को अमेरिका पर अस्तित्व पर खतरा करार दिया है। रिपब्लिक पार्टी के बहुमत वाले हाउस ऑफ रिप्रेजेंटिव्स में चीन पर हुई पहली सुनवाई के दौरान अमेरिकी कानून निर्माताओं ने यह बयान दिया। कानून निर्माताओं ने चीन द्वारा दी जा रही चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने के लिए देश के अंदर और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर पूरा जोर लगाने की बात भी कही। अमेरिका नियमित और ऐतिहासिक तौर पर चीन के व्यवहार को आक्रामक बताता रहा है।हाल ही में बनाई गई समिति का नाम हाउस सलेक्ट कमेटी ऑन द चाइनीज कम्यूनिस्ट पार्टी (सीसीपी) है। सीसीपी के अध्यक्ष माइक गालागेर ने कहा कि यह सभ्यता से खेला जाने वाला कोई टेनिस मैच नहीं है। यह एक अस्तित्व पर संघर्ष है कि 21वीं सदी में जीवन कैसा होगा और अधिकतर मूलभूत अधिकार दांव पर लगे हुए हैं। हमें इस पर तत्काल कदम उठाने होंगे। आने वाले दस सालों में हमारी नीति सैकड़ों सालों के लिए मंच तैयार करेगी। कांग्रेस के भारतीय मूल के राजा किशोरमूर्ति ने गालागेर की बातों का समर्थन किया।राजा किशोरमूर्ति ने कहा कि पिछले तीन दशकों से डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकंस ने सीसीपी को कमतर आंका। दोनों ने यह मान लिया था कि व्यापार और निवेश से निश्चित तौर पर लोकतंत्र आएगा और पीसीआर समेत इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में अधिक सुरक्षा होगी, लेकिन हुआ ठीक इसके विपरीत। कृष्णमूर्ति ने कहा कि यूएस को तकनीकी क्षेत्र में निवेश जारी रखना चाहिए। इसके साथ ही अमेरिका में निर्माण को बेहतर करना चाहिए। हम पीसीआर के साथ युद्ध नहीं चाहते, न कोल्ड वार, न हॉट वार। हम सभ्यताओं का टकराव नहीं चाहते। इसलिए हमें आक्रामकता पर अंकुश लगाना होगा। क्लॉडिया टेनी ने कहा कि चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने अमेरिकी लोगों को नुकसान पहुंचाया है। उसके द्वारा वित्तपोषित जासूसों ने अमेरिका की बौद्धिक संपदा को चुराया और चीन की अनुचित व्यापार युक्तियों ने अमेरिकी उद्योगों का व्यापार बंद करवा दिया। इसके साथ ही चीन अब अपने आर्थिक प्रभाव का फायदा उठाते हुए विदेशों में भी अपने खतरनाक और स्वतंत्रता को खतरे वाले मॉडल को फैला रहा है।

तीन साल बाद हांगकांग के लोगों को फेस मास्क से मुक्ति मिली

हांगकांग। हांगकांग में कोरोना फैलने के बाद शख्त नियम लागू किए गए थे। यहां फेस कवरिंग को भी अनिवार्य किया था। 3 साल बाद अब यहां के लोगों को फेस मास्क से मुक्ति मिली है। 959 दिनों के बाद हांगकांग में कोरोना मास्क को खत्म कर दिया गया है। नया नियम अब आज से लागू होगा। स्थानीय प्रशासन अब कुछ इलाकों में स्थिति सामान्य करने की कोशिश कर रहा है। हांगकांग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन ली ने बताया कि हमें लगता है कि मास्क को लेकर फैसला लेने के लिए यह सबसे अच्छा समय है। हांगकांग दुनिया को अब संदेश दे रहा है कि यहां अब जीवन पहले की तरह सामान्य हो गया है। हांगकांग उन चुनिंद शहरों में से एक है, जहां इब तक मास्क अनिवार्य था, जबकि दुनिया भर के अधिकांश देशों ने चरणबद्ध तरीके से मास्क को लेकर अपने नियमों में बदलाव किया था। हांगकांग ने बीजिंग द्वारा निर्धारित किए गए नियम का पालन करना जारी रखा था। हांगकांग में मास्क को लेकर नियम पहली बार 29 जुलाई 2020 को लागू किया गया था। सभी लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने के लिए निर्देशित किया गया था। वहीं नियमों का पालन करने में अधिकारी करीब 1275 डॉलर तक का जुर्माना लग सकते थे। मास्क को लेकर बनाए गए नियम की आलोचना के बाद पिछले साल दिसंबर में हांगकांग के अधिकारियों ने एम्बर कोड खत्म करने का फैसला किया था। जिसने लोगों को किसी भी जगह पर प्रवेश करने के लिए एक ऐप का उपयोग करना होता था। हांगकांग की अर्थव्यवस्था पर सख्त कोविड प्रतिबंधों का काफी बुरा प्रभाव पड़ा था। जिससे उसकी अर्थव्यवस्था 3.5 प्रतिशत तक सिमट गई थी।

जी-20 बैठक में दिल्ली नहीं आएंगे जापानी विदेश मंत्री, दोस्ती को बड़ा झटका

जापान के नेताओं व भारत के अधिकारियों ने जापानी विदेश मंत्री की इस योजना पर जताई आपत्ति

टोक्यो । जापान सरकार ने ऐलान किया है कि भारत में आज से हो रहे जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी हिस्सा नहीं लेंगे। हयाशी की जगह पर विदेश राज्य मंत्री केंजी यमादा नई दिल्ली जा रहे हैं। इससे पहले जापान के नेताओं और भारत के अधिकारियों ने जापानी विदेश मंत्री की इस योजना पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद भी जापानी विदेश मंत्री ने अपने दोस्तों और देशों के लोगों की मांग को दरकिनार कर दिया। विश्लेषकों का कहना है कि इसका दोनों देशों के बीच रिश्तों में बुरा असर पड़ सकता है। वह भी तब जब चीन के नए विदेश मंत्री अपने पहले भारत दौरे पर आ रहे हैं।जापान की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि जी-20 देशों के विदेश मंत्री अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों, खाद्यान और ऊर्जा सुरक्षा तथा रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा कर सकते हैं। जापानी मीडिया के मुताबिक विदेश मंत्री हयाशी भारत आने की बजाय संसद के सत्र में हिस्सा लेंगे। यही नहीं जापानी विदेश मंत्री के इस फैसले से क्वॉड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक खटाई में पड़ सकती है। जापान ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है, जब वह खुद मई महीने में जी-7 देशों की बैठक आयोजित करने जा रहा है।जापान की योजना है कि वह जी-7 देशों की बैठक में भारत को भी आमंत्रित करे। अमेरिका के हडसन इंस्टीट्यूट में जापानी मामलों के विशेषज्ञ डॉक्टर सतोरू नगाओ ने जापानी विदेश मंत्री के भारत नहीं जाने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। सतोरू ने कहा कि अगर जापानी विदेश मंत्री जी-20 देशों की बैठक में नहीं शामिल होते हैं तो भारत इस फैसले से बहुत नाराज होगा। इसकी वजह यह है कि भारत जी-20 बैठक को लेकर अपने प्रयासों पर पूरा फोकस किए हुए है। यह भारत के साथ जापान के रिश्तों को बाद में प्रभावित करेगा। विदेश मंत्री हयाशी को निश्चित रूप से जाना चाहिए।इससे पहले जापान के सांसदों ने भी जापानी विदेश मंत्री के इस फैसले की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि जापान जी-7 देशों की बैठक से एक बड़ा मौका खो देगा। इससे पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के साथ अपनी दोस्ती को निभाते हुए उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। ऐसे समय पर जब चीन भारत और जापान दोनों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है, जापानी विदेश मंत्री के फैसले को बहुत हैरानी से देखा जा रहा है।

यूपी विधानसभा बनी अदालत, छह पुलिसकर्मियों को सुनाई गई सजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में शुक्रवार को विशेषाधिकार हनन के मामले में छह पुलिसकर्मियों को एक दिन के कारावास की सजा सुनाई गई है। यह सजा 3 मार्च रात 12 बजे तक होगी। इस दौरान सभी पुलिसकर्मियों को विधानसभा में बनी सेल के लॉकअप में रखा जाएगा। इसके बाद मार्शल सभी दोषी पुलिसकर्मियों को सदन से ले गए। सदन में लगी अदालत के दौरान सतीश महाना ने सभी दलों के नेताओं से इस मामले में पक्ष पूछा। इसमें ज्यादातर ने अध्यक्ष को निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया। फिर दोषी पुलिसकर्मियों को अपनी सफाई देने का मौका दिया। इसमें दोषी सीओ अब्दुल समद ने सभी की ओर से सदन से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि ऐसी गलती भविष्य में नहीं होगी। इसके पहले पूर्व सीएम अखिलेश से सदन के बाहर इस बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि यह गलत परंपरा है। जिन पुलिसकर्मियों को सजा मिली है, उसमें प्रमुख रूप से सीओ समद के अलावा किदवई नगर के थानाध्यक्ष ऋषिकांत शुक्ला, एसआई थाना कोतवाली त्रिलोकी सिंह, किदवई नगर थाने के सिपाही छोटे सिंह यादव, काकादेव थाने के सिपाही विनोद मिश्र और काकादेव थाने के सिपाही मेहरबान सिंह शामिल हैं। ये सभी कानपुर में उस वक्त शहर के ही विभिन्न थानों में तैनात थे। इस मामले में जिनके साथ घटना घटित हुई उस समय के विधायक और वर्तमान में विधानपरिषद सदस्य सलिल विश्नोई ने कहा कि इस घटना में यह निर्णय एक नजीर बनेगा। 403 सदस्य पहले हमारे साथ थे, लेकिन बाद में सपा के सदस्य पता नहीं किस दबाव में सदन से वाक आँउट कर गए। दरअसल 2004 में सपा सरकार में बिजली कटौती के विरोध में वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष महाना कानपुर में धरने पर बैठे थे। इस दौरान भाजपा के विधायक और कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। जिसमें तत्कालीन विधानसभा सदस्य विश्नोई का पैर टूट गया। वह कई महीनों बिस्तर पर पड़े रहे। इसके बाद विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना की सूचना 25 अक्टूबर 2004 को विधानसभा सत्र में रखी गई थी।

अभिषेक और धोनी सहित प्रमुख हस्तियों के नाम पर क्रेडिट कार्ड जारी

-पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन और क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी सहित 95 प्रमुख हस्तियों के पैन कार्ड विवरण हासिल करने और उनके नाम पर क्रेडिट कार्ड जारी कराने के आरोप में पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, कार्ड पुणे स्थित फिनटेक स्टार्टअप वन कार्ड से जारी किए गए थे। आरोपियों ने डिटेल का इस्तेमाल कर बैंकों से 50 लाख रुपये से अधिक की ठगी की। जालसाजों द्वारा जिन अन्य हस्तियों के नाम और विवरण का उपयोग किया गया, उनमें शिल्पा शेट्टी, माधुरी दीक्षित, इमरान हाशमी, सैफ अली खान, सचिन तेंदुलकर, आलिया भट्ट, सोनम कपूर, ऋतिक रोशन आदि शामिल थे। आरोपियों की पहचान पुनीत, मोहम्मद आसिफ, सुनील कुमार, पंकज मिश्र और विश्व भास्कर शर्मा के रूप में हुई है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी रेंज), छाया शर्मा ने कहा कि आरोपियों ने बैंकों से 50 लाख रुपये से अधिक की ठगी करने के लिए 95 मशहूर हस्तियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सरकारी आईडी बनाई। पूछताछ में पता चला कि ये इन सेलिब्रिटी की जीएसटी डिटेल्स गूगल से हासिल किए। ये बहुत अच्छी तरह से जानते हैं, कि जीएसटीआईएन के पहले दो अंक राज्य कोड हैं और अगले 10 अंक पैन नंबर हैं। चूंकि मशहूर हस्तियों की जन्म तिथि गूगल पर उपलब्ध है, ये वहां से डिटेल ले लेते हैं। उन्होंने धोखे से अपनी खुद की तस्वीरें लगाकर पैन कार्ड को फिर से बनवाया ताकि वीडियो सत्यापन के दौरान, उनका लुक उनके पैन/आधार कार्ड पर उपलब्ध फोटो से मेल खा सके।

कफ सिरप कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज, तीन लोग गिरफ्तार, मालिक-मालकिन फरार

नई दिल्ली। भारत में निर्मित कफ सिरप पीने से उज्बेकिस्तान में कथित रूप से 18 बच्चों की मौत के मामले में लिए गए दवा के नमूनों के मानकों पर खरा नहीं पाने के बाद गाजियाबाद के ड्रग इंस्पेक्टर की शिकायत पर एक मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में ऑपरेशन हेड सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कंपनी के मालिक फरार हैं, उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गाजियाबाद के ड्रग इंस्पेक्टर आशीष ने बीता रात को रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सेक्टर 67 स्थित एक दवा बनाने की कंपनी में निर्मित कफ सिरप मानकों के ऊपर खरा नहीं उतरा। इस मामले में कंपनी की डायरेक्टर जया जैन, सचिन जैन, ऑपरेशन हेड तुहीन भट्टाचार्य, मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट अतुल रावत तथा मूल सिंह आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। कार्यालय से जुड़े अधिकारी के अनुसार, तुहीन भट्टाचार्य, अतुल रावत तथा मूल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि कंपनी के मालिक-मालकिन फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही उनकी गिरफ्तारी होगी। 2020 के दिसंबर माह में उस कंपनी द्वारा बनाई गई सिरप पीने से कजाकिस्तान में 18 बच्चों की संदिग्ध मौत हुई थी। कजाकिस्तान सरकारी सूचना के आधार पर भारत सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया तथा कंपनी पर छापेमारी की गई। बता दें कि उज्बेकिस्तान में कथित तौर पर 19 बच्चों की मौत के बाद यूपी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग ने दवा फर्म मैरियन बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड का दवा उत्पादन लाइसेंस निलंबित कर दिया था। दवा रिकार्ड मेंटनेंस के अलावा रॉ मैटेरियल खरीद की जानकारी समय से नहीं उपलब्ध कराने पर कंपनी का दवा उत्पादन लाइसेंस निलंबित किया जा चुका है।

500-500 रुपए देकर रैली में भीड़ जुटाएं, वायरल वीडियो में नेताओं से कह रहे सिद्धरमैया

बेंगलुरु। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धरमैया का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें सिद्धरमैया कथित रूप से पार्टी नेताओं से कह रहे हैं कि 500-500 रुपए देकर रैली में भीड़ जुटाएं। वैसे यह स्पष्ट नहीं है, कि यह वीडियो कब और किसने बनाया है। ऐसा लग रहा है कि जब पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पार्टी की वर्तमान 'प्रजा ध्वनी बस यात्रा के तहत हाल में बेलगावी में थे, तब यह वीडियो बनाया गया था। मई में संभावित कर्नाटक विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने यह यात्रा निकाली थी। वीडियो में सिद्धरमैया प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष सतीश जारकीहोली, विधायक लक्ष्मी हेब्बालकर और विधानपरिषद सदस्य चन्नाराज हट्टिहोली समेत विभिन्न नेताओं से बातचीत करते हुए देखे जा सकते हैं। प्रदेश भाजपा ने वीडियो ट्वीट करते हुए कांग्रेस नेता सिद्धरमैया पर निशाना साधा है। वहीं वीडियो को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कहा, ''यह सच नहीं है। हम किसी को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहन नहीं दे रहे हैं, हमें पैसे देने की जरूरत नहीं है, हमारे यहां ऐसी कोई परिपाटी नहीं है। वहीं मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा, ''पैसे देकर (जनसभा में) लोगों को लाना कांग्रेस की पुरानी परंपरा रही है। इसमें नया या अचरज करने जैसा कुछ नहीं है।....

केंद्र सरकार पंजाब में तैनात करेगी केंद्रीय सुरक्षा बल

चंडीगढ़। राज्य में होने जा रहे होला मोहल्ला व जी-20 सम्मेलन को देखते केंद्र ने पंजाब में केंद्रीय सुरक्षा बलों की कंपनियां तैनात करने का फैसला लिया है, जिसके चलते राज्य में बहुत जल्द केंद्रीय सुरक्षा बल की कंपनियां देखने को मिलेंगी। बता दें कि पंजाब सरकार ने होला मोहल्ला व जी-20 सम्मेलन को लेकर केंद्र सरकार से सुरक्षा की मांग की थी, जिसके बाद केंद्र ने राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करने का फैसला लिया है। बता दें कि जी-20 सम्मेलन की दो मीटिंगें अमृतसर में होने जा रही हैं और इस शहर के बार्डर एरिया से सटा होने के कारण केंद्रीय सुरक्षा बल की 30 से 40 कंपनियां तैनात की जाएंगी, जो कि जी-20 सम्मेलन और होला मोहल्ला में पैनी नजर रखेंगी। गौरतलब है ?कि सीएम मान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात कर राज्य के हालातों बारे चर्चा की और केंद्र सरकार से पाकिस्तान से आने वाले ड्रोन और ड्रग तस्करी सहित कई मुद्दों पर भी मंथन किया। बॉर्डर सिक्योरिटी को और मज़बूत करने के लिए केंद्रीय और राज्य एजेंसीज़ में समन्वय को लेकर भी दोनों नेताओं में बातचीत हुई, जिसके बाद केंद्र ने राज्य में सुरक्षा बल तैनात करने का फैसला लिया है।

भारतीय चेतना का मूल स्वर रही है धर्म-धम्म की अवधारणा: राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु

भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने कहा है कि मानवता के दुख के कारण का बोध कराना और उस दुख को दूर करने का मार्ग दिखाना, पूर्व के मानववाद की विशेषता है, जो आज के युग में और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। धर्म-धम्म की अवधारणा भारतीय चेतना का मूल स्वर रही है। हमारी परंपरा में कहा गया है कि जो सबको धारण करता है, वह धर्म है। धर्म की आधार-शिला पर ही पूरी मानवता टिकी हुई है। राग और द्वेष से मुक्त होकर मैत्री, करूणा और अहिंसा की भावना से व्यक्ति और समाज का विकास करना, पूर्व के मानववाद का प्रमुख संदेश रहा है। नैतिकता पर आधारित व्यक्तिगत आचरण और समाज व्यवस्था पूर्व के मानववाद का ही व्यावहारिक रूप है। नैतिकता पर आधारित इस व्यवस्था को बचाए रखना और मजबूत करना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य माना गया है। धर्म-धम्म की हमारी परंपरा में सर्वे भवंतु सुखिनः की

प्रार्थना हमारे जीवन का हिस्सा रही है। यही पूर्व के मानववाद का सार-तत्व है और आज के युग की सबसे बड़ी जरूरत भी है। यह सम्मेलन मानवता की एक बड़ी जरूरत को पूरा करने की दिशा में सार्थक प्रयास है। यही कामना है कि समस्त विश्व समुदाय पूर्व के मानववाद से लाभान्वित हो। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु कुशाभाऊ ठाकरे हाल भोपाल में 7वें अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के उद्घाटन कर रही थी।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने किया श्रद्धेय कुशाभऊ ठाकरे जी का स्मरण

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने धर्म-धम्म सम्मेलन के लिए राज्य सरकार, साँची विश्वविद्यालय और इंडिया फाउंडेशन की सराहना की। राष्ट्रपति ने श्रद्धेय श्री कुशाभऊ ठाकरे का स्मरण करते हुए कहा कि इस सभागार को कुशाभाऊ ठाकरे का नाम दिया गया है। जन-सेवा के कार्य में धर्म-धम्म के आदर्शों के अनुरूप निस्वार्थ और संपूर्ण समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले ठाकरे जी का स्मरण सभी को नैतिकता, धर्म और सेवाभाव से जोड़ता है।

धर्म-धम्म के भाव को स्पष्टतः प्रदर्शित करते हैं हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि हमारे देश की परंपरा में समाज व्यवस्था और राजनैतिक कार्य-कलापों में प्राचीन काल से ही धर्म को केन्द्रीय स्थान प्राप्त है। स्वाधीनता के बाद हमने जो लोकतांत्रिक व्यवस्था अपनाई उस पर धर्म-धम्म का गहरा प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों से यह स्पष्टतः प्रदर्शित होता है। अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जो धर्म-धम्म के विचार की वैश्विक अपील का प्रतीक है।

धर्म-धम्म चिंतन से सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हमारे भारतीय दर्शन की मान्यता इस विश्वास में निहित है कि विश्व सबके लिए है। युद्ध की कोई आवश्यकता ही नहीं है। मानवता के कल्याण के लिए शांति, प्रेम और एक-दूसरे के प्रति विश्वास आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश की सदियों पुरानी परंपरा विश्व शांति और मानव जाति के कल्याण में विश्वास रखती है और उसे बढ़ावा देती है। नैतिक और व्यवहारिक क्षेत्र में बौद्ध दृष्टिकोण भी मानव जाति की भलाई के लिए महत्वपूर्ण है। समृद्ध समाज, राष्ट्र एवं विश्व निर्माण के लिए भारतीय सांस्कृतिक और सभ्यतागत अंतर्संबंधों की सदियों से चली आ रही चिंतन परम्परा पर बदलते समय और परिप्रेक्ष्य में नई दृष्टि से विचार समय की ज़रूरत है।

कर्नाटक में बोले अमित शाह, जो पार्टियां परिवारवाद करती है वो गरीब की चिंता नहीं कर सकती, मोदी को हैं गरीबों की चिंता

बेलगावी (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह आज कर्नाटक में हैं। अमित शाह ने देवनहल्ली, बेंगलुरु ग्रामीण में भाजपा के %विजय संकल्प रथ यात्रा% का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने केम्पेगौड़ा जी की 108 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करने और बेंगलुरु हवाई अड्डे के नवीनीकरण के लिए पीएम नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि 2018 में आपने बीजेपी को कर्नाटक की सबसे बड़ी पार्टी बना दिया। 2019 में, आपने हमें 28 लोकसभा सीटों में से 25 सीटें जीतने में मदद की। इसने मोदी जी को राज्य के विकास के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस बजट में, भारत सरकार ने कर्नाटक के लिए 37,257 करोड़ रुपये दिए, जो अब तक आवंटित सबसे अधिक राशि है।

शाह ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि कर्नाटक 2022 में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में देश में नंबर एक स्थान पर रहा। कर्नाटक में भारत में सबसे अधिक यूनिकॉर्न हैं। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा। भाजपा नेता ने कहा कि कर्नाटक लगभग 75प्र. रक्षा विमान का निर्माण करता है। 2019 के बाद रोजगार देने में 250 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि जो पार्टियां परिवारवाद करती है वो कर्नाटक का भला नहीं कर सकती। वो अपने परिवार से ऊपर उठकर गरीब की चिंता नहीं कर सकती। कर्नाटक के गरीब की चिंता केवल और केवल मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी कर सकती है।

गृह मंत्री ने कहा कि आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि क्या आपको भाजपा सरकार चुनने की आवश्यकता है जो एफडीआई में नंबर एक है या कांग्रेस और जेडीएस जो भ्रष्टाचार में नंबर एक हैं। आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि क्या आपको भाजपा सरकार चुनने की आवश्यकता है जिसने पीएफआई को प्रतिबंधित किया है या कांग्रेस को जो वोट बैंक के लिए आतंकवादियों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि यूपीए के समय में हर रोज पाकिस्तान से आतंकवादी घुसपैठ करके हमारे जवानों की गला काटकर ले जाते थे। मोदी जी के समय में उन्होंने पुलवामा में हिम्मत की, 10 ही दिनों में हमारी सेना उनके घर में घुसकर आतंकवादियों का खात्मा करके बदला लेकर वापस आ गए।

नई शिक्षा नीति के तहत तैयार पाठ्यक्रम में वे बातें हैं, जो पहले गायब थी : भागवत

नागपुर (एजेंसी)। आजकल एक चलन-सा हैं, कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत जो भी कहें उसके कई मतलब निकाल कर मीडिया और सोशल मीडिया पर संघ के खिलाफ दुष्प्रचार चलाया जाए। इसी कड़ी में संघ प्रमुख के एक और बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। बता दें कि भागवत ने कहा है कि भारत के पास पारंपरिक ज्ञान का विशाल भंडार है इसलिए हर भारतीय के पास देश के पारंपरिक ज्ञान भंडार की कुछ मूलभूत जानकारी होनी ही चाहिए। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि ऐतिहासिक दृष्टि से भारत में चीजों को देखने का वैज्ञानिक नजरिया रहा है, लेकिन आक्रमणों के कारण हमारी व्यवस्था नष्ट हो गई और ज्ञान की हमारी संस्कृति विखंडित हो गई। उन्होंने कहा कि आक्रमणों के कारण हमारी कुछ प्राचीन पुस्तकें गायब हो गई, जबकि कुछ के मामलों में निहित स्वार्थी तत्वों ने प्राचीन कृतियों में गलत दृष्टिकोण डलवाए गए जोकि गलत है। भागवत के बयान को मीडिया के एक वर्ग में अलग तरह से प्रचारित भी किया जा रहा है।

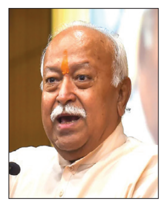

बता दें कि भागवत ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत तैयार पाठ्यक्रम में कुछ ऐसी बातें हैं जो पहले गायब थीं। उन्होंने कहा, ''हमारे पास परंपरागत रूप से जो है, उसके बारे में हर व्यक्ति के पास कम से कम मूलभूत जानकारी होनी चाहिए, इस शिक्षा प्रणाली तथा लोगों के बीच आपसी बातचीत से हासिल किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि यदि भारतीय अपने पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान आधार को खंगालें और उन्हें यह मिले कि वर्तमान दौर में जो स्वीकार्य है, वह पहले भी था तो, 'दुनिया की कई समस्याओं का हमारे समाधानों से हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चूंकि अन्य लोग बिना अनुमति ज्ञान लेना चाहते हैं, तब इसमें जरूरी है कि हमें कम से कम यह पता हो कि हमारी परंपरा में कौन-कौन सी बातें हैं।

बिल गेट्स ने भारतीय बच्चे का कराया अन्नप्राशन संस्कार, श्रीअन्न खिचड़ी बनाने की विधि भी सीखी

नई दिल्ली (ईएमएस)। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने गुरुवार को भारतीय बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार कराया और खिचड़ी पकाने की विधि भी सीखी। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित पोषण के माध्यम से सशक्तिकरण- नए भारत की महिलाओं का जश्न कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने पोषण 2.0 योजना के तहत काम करने वाले प्रशासकों से भी मुलाकात की, जो देश में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही हैं। इस संबंध में बिल गेट्स ने ट्वीट कर कहा कि भारत डेटा और निगरानी पर ध्यान केंद्रित करने के साथ पोषण 2.0 के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के लिए स्वस्थ भविष्य की दिशा में मजबूती से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे इस कार्यक्रम में दो अद्भुत प्रशासकों एमी जोसेफ और लक्ष्मी प्रिया से भी मिले, जो पोषण परिणामों को बेहतर बनाने में मदद कर रही हैं।

पोषण, जनधन, आयुष्मान भारत ने लाखों महिलाओं का जीवन बदला : ईरानी

महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पोषण, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाली केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पोषण, जनधन, आयुष्मान भारत जैसी पहल ने भारत में लाखों महिलाओं के जीवन को बदल दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की विकास यात्रा में महिलाएं न सिर्फ केन्द्र में रही हैं, बल्कि नेतृत्व भी कर रही हैं। इस मौके पर बिल गेट्स ने एक बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार भी किया। बिल गेट्स ने भारत के सुपर फूड और इसके पोषण घटक को समझा और तारीफ की। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से श्रीअन्न खिचड़ी पकाने की विधि भी सीखी और तड़का भी लगाया।

हिजाब विवाद पर तुरंत सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, होली के छुट्टी के बाद होगा बेंच का गठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हिजाब मामला तुरंत सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने मना कर दिया है। एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ से कहा कि हिजाब की अनुमति न होने के कारण कई लड़कियां 9 मार्च से शुरू होने वाली परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगी। इस पर जवाब देते हुए सीजेआई ने कहा कि होली की छुट्टी के बाद सुनवाई के लिए बेंच का गठन करेंगे। दरअसल, होली के कारण 12 मार्च तक सुप्रीम कोर्ट में छुट्टी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि वह एक बेंच का गठन करेगा और कर्नाटक में 5 दिनों के बाद होने वाली परीक्षा में हिजाब पहनने वाली छात्राओं को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने की याचिका पर सुनवाई करेगा। कोर्ट का कहना है कि वह मामले को होली के बाद सूचीबद्ध करेगी।

प्रारंभ में सीजेआई ने कहा कि मामला होली की छुट्टियों के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। वकील ने कहा कि परीक्षा पांच दिनों के बाद आयोजित होने वाली है, मुस्लिम लड़कियां एक साल पीछे चल रही हैं, ऐसे में एक और साल चूक जाएंगी। पीठ ने तारीख तय किए बिना कहा कि वह पीठ बनाएगी। मामले को अंतिम बार छात्रों की ओर से वकील शादान फरासत द्वारा तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया गया था। अदालत ने कहा था कि वह हिजाब पहनकर कर्नाटक के सरकारी स्कूलों में मुस्लिम छात्राओं को परीक्षा में बैठने की अनुमति देने की याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करेगी।

पीठ को बताया गया कि कर्नाटक में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध के मुद्दे पर शीर्ष अदालत के खंडित फैसले के बाद लड़कियों को हिजाब में परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जा रही है, जो 9 मार्च से शुरू होने वाली है। 15 मार्च 2022 को उच्च न्यायालय ने कर्नाटक के उडुपी में गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज के मुस्लिम छात्रों के एक वर्ग द्वारा कक्षाओं के अंदर हिजाब पहनने की अनुमति मांगने वाली याचिकाओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि हिजाब इस्लामिक विश्वास का अहम हिस्सा नहीं है।

केजरीवाल, सिसोदिया, सत्येंद्र जैन ने मेरे जन्मदिन पर गाया 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे', सुकेश ने फिर लिखा जेल से पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ने कथित तौर पर 25 मार्च 2017 को उनके जन्मदिन पर 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' गाया। सुकेश ने केजरीवाल को 'सबसे बड़ा स्कैमर' बताते हुए कहा कि नेताओं ने 'पैसों के लालच' में उन्होंने दोस्ताना संबंध तोड़ लिए। जेल से लिखे एक अन्य पत्र में सुकेश ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल, सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पर भी नए आरोप लगाए हैं। सरकार का समर्थन करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय समाचार पत्र के लेख के संदर्भ में,सुकेश ने दावा किया कि यह उनके माध्यम से प्रकाशित किया गया था और आप नेताओं द्वारा अपने लाभ के लिए इसका इस्तेमाल किया गया था।

सुकेश ने केजरीवाल पर कमीशन के रूप में 1,000 करोड़ रुपये लेने और शिक्षा क्षेत्र में घोटालों में शामिल होने का भी आरोप लगाया। एक टैबलेट घोटाले का जिक्र करते हुए सुकेश ने दावा किया कि उसने एक चीनी कंपनी से टैबलेट (बच्चों को बांटने के लिए) खरीदे थे। हालांकि, केजरीवाल सरकार ने 20 फीसदी अतिरिक्त कमीशन के बदले टेंडर किसी और को सौंपने का फैसला किया।

सुकेश के खिलाफ मामला

ईडी ने हाल ही में केंद्रीय गृह और कानून सचिव बनकर रेलिगेयर के पूर्व प्रमोटर मालविंदर सिंह की पत्नी को धोखा देने से जुड़े एक नए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चंद्रशेखर को गिरफ्तार किया। 33 वर्षीय चंद्रशेखर को पिछले सप्ताह एक स्थानीय जेल से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत हिरासत में लिया गया था।

केजरीवाल को घोटाले का सरगना बताकर बीजेपी सड़कों पर उतरी, मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कथित शराब घोटाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद भारतीय जनता पार्टी ने अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की घेराबंदी तेज कर दी है। सोमवार को भाजपा ने दिल्ली में कई जगहों पर प्रदर्शन करते हुए आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की है। बीजेपी ने केजरीवाल को घोटाले का मुख्य सरगना बताया है।

पार्टी के नेता और कार्यकर्ता लक्ष्मी नगर, सीलमपुर, आश्रम, चिराग दिल्ली और जामा मस्जिद इलाके में एकत्रित। हाथ में पोस्टर बैनर लिए नेताओं ने दिल्ली सरकार और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इन पोस्टरों पर लिखा था कि दिल्ली सरकार में घोटालों का खेल, मनीष सिसोदिया चले जेल ! बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अगुआई में हुए प्रदर्शन में बैनर पर लिखा था कि शराब घोटाले के सरगना केजरीवाल, इस्तीफा दो-इस्तीफा दो।

भगवा दल ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के मंत्री पद से इस्तीफे को सच और पार्टी कार्यकर्ताओं की जीत बताया है। दोनों मंत्रियों के इस्तीफे की खबर आने से पहले भाजपा ने कहा था कि वह जनता के बीच जाकर बताएगी कि कैसे शराब के जरिए दिल्ली में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ की साजिश रची गई। इस बीच आम आदमी पार्टी ने भी जनता के बीच जाकर अपना पक्ष रखने की बात कही है।

राहुल गांधी के बदले लुक पर ज्योतिरादित्य सिंधिया का तंज, तीन राज्यों में हार पर कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया अपनी पुरानी पार्टी पर जबरदस्त तरीके से हमलावर रहते हैं। एक बार फिर से ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। इतना ही नहीं, उन्होंने पूर्वोत्तर के 3 राज्यों में कांग्रेस की हार पर भी चुटकी ली है। दरअसल, ज्योतिरादित्य सिंधिया एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ग्वालियर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश के बजट की भी तारीफ की। पत्रकारों ने उनसे राहुल गांधी के बदले लुक पर भी सवाल पूछा। इस पर उन्होंने कहा कि लुक और परिचय के बाद मैं नहीं कहूंगा। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि उनका कोई लुक बाकी रह गया है क्या?

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नागालैंड मेघालय और त्रिपुरा में कांग्रेस को मिली हार का जिम्मेदार सीधे तौर पर राहुल गांधी को ही बता दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पूरे देश की जनता ने नकार दिया है। मैं लुक की बात नहीं करना चाहता। लेकिन पूर्वोत्तर के परिणाम बता रहे हैं कि देश में सियासी फिजा मैं उनकी हैसियत अब क्या रह गई है? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 3 राज्यों के परिणाम यह स्पष्ट कर रहे हैं कि राहुल गांधी और भारत जोड़ो यात्रा को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया है। सिंधिया ने दावा किया कि मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस की स्थिति खराब है और अभी से ही इसके रुझान मिलने लगे हैं।

2023 के आखिर में मध्यप्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। कांग्रेस को इससे जोड़ते हुए उन्होंने कहा किया तब तक पार्टी ना बचे। मध्य प्रदेश के बजट के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया। उन्होंने मध्यप्रदेश के बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए बजट में प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा राज्य के हितों को ध्यान में रखते हुए कई बड़े ऐलान किए गए हैं। आपको बता दें कि एक समय ज्योतिरादित्य सिंधिया राहुल गांधी के बेहद करीबी हुआ करते थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साऊथ ज़ोन-बी कनकपुर सचीन में बकाया राशि होने से लगया होर्डिंग और सोसायटी के नाम

क्रम	सोसायटी का नाम	प्लाट न.	बकाया राशि
1	तिरुपति नगर	A-9-10, NA-143, NB-44, 45, NC- 83 ND-50, 51, 71, 84, 108, 126, NE 30, 36, 47, 48, 49, NF-53, NG-43	1,97,315.00
2	तिरुपति नगर	NI-1, NJ-23, NJ-26, 27, 34, 35, to 37, 45-B, NJ-71, NK-33 to 35, NL1 2, 11-12, 14, 23 to 30, 37 to 42, NM-29 to 32, MA-1-14, MA-1-15, 16, 19, MA-7, 8, MB-14, 21, 22, 23, 27, MD-5, MD-11, MD -18 to 20, 29, 31, , 32	7,13,285.00
3	आलिफ नगर-१	23, 24, 27, 28, 41, 42, 43, 50, 51, 52, 53, 54, 59, 75, 76, 85, 95, 100, 101, 102,	3,31,543.00
4	जलाराम नगर	1,2, 3, 13, 15 to 18, 39, 40, 45 to 48, 50, 51, 52, 59, 62, 63, 73, 123, 127, 130 to 134, 139, 141 to 144, 146 to 154, 162 to 170, 199, 231, 236, 237, 238, 244, 249 to 271,	21,46,614.00
5	शालीमार पार्क "	5, 16, 17, 22 TO 25, 32A, 54, 70- 70A, 79, 95, 100, 109, 110, 120, 121, 123, 124, 127, 128, 129, 140, 147, 153-A, 158 to 160, 163, 164, 165, 166, 181, 182, 205, 206, 217, 218, 221, 223, 235-A, 236A, 249, 257, 261 TO 264, 283, 288, 289, 296, 297, 288, 324, 326, 327, 335, 349, 377, 378, 383, 384, 387, 388, 389, 395, 396, 399, 407, 416, 417, 418, 424 TO 431, 433, 434, 437, 438, 439, 440, 445, 446, 449, 464, 466, 477, 478, 482, 482A, 485, 486, 487, 488, 505, 507, 521 to 523, 529, 530, 533-A, 538, 559A, 565 to 570, 571 to 576	14,69,559.00
6	उन आवास	7 TO 114	43,33,500.00
7	सिद्धिकी नगर सोसायटी-2	1 TO 200	55,79,883.00
8	सिल्क हेरिटेज सोसाइटी	11 TO 173	42,54,808.00
9	विशाल नगर	1 TO 55	7,66,000.00
10	विसात रेसीडेन्सी	1 TO 117	3,30,700.00
11	मारुती नगर	3 TO 232	4,26,300.00
12	गरीबनवाज़ नगर	1 to 176	27,60,000.00
13	विशाल नगर	18 TO 291	6,97,450.00
14	इस्माईल नगर	34 TO 193	25,49,300.00
15	सायरानगर	8 TO 240	16,25,100.00
16	श्री सांईनगर	A-1 TO E/7/8	15,99,400.00
17	न्यू ग्रीन पार्क	1 TO 89	1,79,100.00
18	योगेश्वर नगर	A\83 TO C/77	28,27,326.00
19	सिद्धिविनायक	2 TO 170	13,65,000.00
20	हरिदर्शन सोसायटी	12 TO 103	3,57,092.00
21	शिव साई-1	1 TO 159	15,85,311.00
22	लक्ष्मी नगर	1 TO 407	21,09,849.00
23	काशीविश्वनाथ	1 TO 117	14,15,123.00
24	बजरंग नगर	1 TO 401	14,15,123.00
25	शिव साई -1	1 TO 205	6,33,085.00
26	शिव शाक्ति नगर	4 TO 321	4,98,848.00
27	सलासर	7 TO 403	14,87,288.00
28	राधव नगर	2 TO 90	2,75,459.00
29	अतीक नगर	1 TO 82	13,45,069.00
30	जिलानी नगर	12 TO 509	16,14,814.00
31	डायमंड ईको	1002 TO 5110	46,50,764.00
32	कृष्णा रो -हाउस	226-716	55,920.00
33	कृष्णा पार्क	30	3,36,504.00
34	सुडा सेक्टर -1	71	1,94,091.00
35	सुडा सेक्टर -2	101	2,23,772.00
36	सुडा सेक्टर -3	120	2,36,696.00
37	जमशेद नगर/जलाराम नगर	49	64,764.00
38	साईंदर्शन	1 TO 162	52,246.00
39	साईं आशीष सोसायटी	1 TO 421& 1 to52	1,47,762.00
40	न्यू कैलाश सोसायटी	1 TO 580	83,999.00
41	साईंभूपत सोसायटी	2 TO 938	63,511.00
42	जलाराम सोसायटी	1 TO 340	50,492.00
43	संगीता पार्क सोसायटी-2	1 TO 184	1,18,788.00
44	कृष्णा नगर-1	1 TO 163	1,39,362.00
45	श्री राम नगर	1 TO 496	54,721.00

सूरत के उधना यार्ड रिमॉडलिंग कार्य हेतु लिये जा रहे ब्लॉक के कारण ट्रेनें प्रभावित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

रेलवे के मुंबई मण्डल में उधना यार्ड रिमॉडलिंग के अंतर्गत उधना यार्ड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण सोमवार, 06 मार्च, 2023 तक ब्लॉक लिया जा रहा है। इस कार्य के कारण अहमदाबाद मंडल से चलने/होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें निरस्त , शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट ओरिजिनेट तथा डायवर्ट की जायेंगी।

प्रभावित ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

निरस्ति की गई ट्रेनें:

1. ट्रेन संख्या 12933 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद कर्णावती एक्सप्रेस 5 मार्च, 2023 को निरस्तत रहेगी।
2.ट्रेन संख्या 22138 अहमदाबाद-नागपुर प्रेरणा एक्सप्रेस 5 मार्च, 2023 को निरस्ता रहेगी।
3. ट्रेन संख्या 12934 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस 5 मार्च, 2023 को निरस्त रहेगी।
4.ट्रेन संख्या 22137 नागपुर-अहमदाबाद प्रेरणा एक्सप्रेस 4 मार्च, 2023 को निरस्तर रहेगी।
5. ट्रेन संख्या 19417 बोरीवली-अहमदाबाद एक्सप्रेस 6 और 7 मार्च, 2023 को निरस्तग रहेगी।
6.ट्रेन संख्या 22963 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 6 मार्च, 2023 को निरस्तग रहेगी।
7.ट्रेन संख्या 22923 बांद्रा टर्मिनस-जामनगर हमसफर एक्सप्रेस 4 मार्च, 2023 को निरस्तो रहेगी।
8. ट्रेन संख्या 22964 भावनगर-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्टप एक्सप्रेस 5 मार्च, 2023 को निरस्तग रहेगी।
9. ट्रेन संख्या 22924 जामनगर-बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस 5 मार्च, 2023 को निरस्तो रहेगी।
10.ट्रेन संख्या 19418 अहमदाबाद-बोरीवली एक्सप्रेस 3 और 4 मार्च, 2023 को निरस्तो रहेगी।

आंशिक रूप से निरस्त ट्रेनें/शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें:

1. 5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्यान 19034 अहमदाबाद-वलसाड एक्सप्रेस भरूच में शॉर्ट टर्मिनेट होगी और वापसी में 5 मार्च, 2023 को भरूच से ट्रेन संख्याफ 19033 के रूप में जाएगी।
2. 4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 20908 भुज-दादर एक्सप्रेस अंकलेश्वर में शॉर्ट टर्मिनेट होगी और वापसी में अंकलेश्वर से ट्रेन संख्या2 20907 के रूप में जाएगी।
3. 3, 4 और 5 मार्च, 2023 को शुरूहोने वाली यात्रा ट्रेन संख्याा 09377 उधना-नंदुरबार मेमू स्पेशल उधना और चलथान के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।
4. 5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 20907 दादर-भुज सुपरफास्ट एक्सप्रेस अंकलेश्वर स्टेशन से रवाना होगी।
5. 5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 19033 वलसाड-अहमदाबाद एक्सप्रेस वलसाड और भरूच के बीच आंशिक रूप से निरस्त् रहेगी।
6. 5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 19034 अहमदाबाद-वलसाड एक्सप्रेस भरूच में शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा वापसी में 6 मार्च, 2023 को भरूच से ट्रेन संख्या 19033 के रूप में जाएगी।

डायवर्ट होने वाली ट्रेनें:

1.4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 17624 श्री गंगानगर-हजरत साहिब नांदेड़ एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया अजमेर-चित्तौड़गढ़-रतलाम-भोपाल-खंडवा-भुसावल के रास्ते चलेगी।
2. 5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्याड 22905 ओखा-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया छायापुरी-नागदा-मक्सी-संत हिरदाराम नगर-भोपाल-इटारसी-नागपुर के रास्तेम चलेगी।
3.5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्याड 22937 राजकोट-रीवा एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया छायापुरी-नागदा-मक्सी-संत हिरदाराम नगर-भोपाल-इटारसी के रास्ते चलेगी।
4. 5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्याा 12655 अहमदाबाद-पुरची थलाइवर डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल नवजीवन एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया छायापुरी-नागदा-मक्सी-संत हिरदाराम नगर-भोपाल-इटारसी-नागपुर-वर्धा के रास्त् चलेगी।
5. 6 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्याी 12833 अहमदाबाद-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया छायापुरी-नागदा-मक्सी-संत हिरदाराम नगर-भोपाल-भुसावल कॉर्ड लाइन-अकोला जंक्शन के रास्तेय चलेगी।
6.6 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्याा 19483 अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया छायापुरी-नागदा-मक्सी-संत हिरदाराम नगर-बीना के रास्तो चलेगी।
7.5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्याा 12844 अहमदाबाद-पुरी एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया छायापुरी-नागदा-मक्सी-संत हिरदाराम नगर-भोपाल-भुसावल कॉर्ड लाइन-अकोला जंक्शन के रास्ते चलेगी।
8.5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्यास 16209 अजमेर-मैसूर एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया अजमेर-चित्तौड़गढ़-रतलाम-नागदा-भोपाल-इटारसी-भुसावल-मनमाड-पुणे के रास्ते चलेगी।
9. 4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्यास 12656 पुरची थलाइवर डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-अहमदाबाद नवजीवन एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया भुसावल कॉर्ड लाइन-अकोला जंक्शन-भोपाल-संत हिरदाराम नगर-मक्सी-नागदा-छायापुरी के रास्तेड चलेगी।
10. 4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्याश 12843 पुरी-अहमदाबाद डायवर्टेड रूट वाया भुसावल कॉर्ड लाइन-अकोला जंक्शन-भोपाल-संत हिरदाराम नगर-मक्सी-नागदा-छायापुरी के रास्ते के रास्तो चलेगी।
11.4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 20906 रीवा-एकता नगर महामना एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया इटारसी-भोपाल-संत हिरदाराम नगर-मक्सी-नागदा-वडोदरा के रास्ते६ चलेगी।
12.4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्याो 16312 कोचुवेली-श्री गंगानगर एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया पनवेल-कल्याण-खंडवा-इटारसी-भोपाल-संत हिरदाराम नगर-नागदा-रतलाम-छायापुरी के रास्त् चलेगी।
13. 4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्यात 22663 पुरची थलाइवर डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-जोधपुर एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया भुसावल कॉर्ड लाइन-अकोला-भोपाल-नागदा-रतलाम-चित्तौड़गढ़-अजमेर-जोधपुर के रास्तेट चलेगी।
14. 4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 22974 पुरी-गांधीधाम एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया भुसावल कॉर्ड लाइन-अकोला-भोपाल-रतलाम-छायापुरी के रास्तो चलेगी।
15. 3 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 16733 रामेश्वरम-ओखा एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया मनमाड-खंडवा-इटारसी-भोपाल-नागदा-रतलाम-छायापुरी के रास्ते७ चलेगी।
16. 4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्यार 12906 शालीमार-पोरबंदर सुपरफास्ट एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया भुसावल कॉर्ड लाइन-अकोला-भोपाल-संत हिरदाराम नगर-नागदा-छायापुरी के रास्ते चलेगी।
17. 5 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्यास 11090 पुणे-भगत की कोठी एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया मनमाड-खंडवा-इटारसी-भोपाल-रतलाम-चित्तौड़गढ़-अजमेर-भगत की कोठी के रास्ते चलेगी।
18. 4 मार्च, 2023 को छूटने वाली ट्रेन संख्याग 07053 काचीगुडा-बीकानेर एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया अकोला-खंडवा-इटारसी-भोपाल-संत हिरदाराम नगर-रतलाम-चित्तौड़गढ़-चंदरिया-अजमेर-बीकानेर के रास्तेव चलेगी।